



मुक्त विद्या

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्णीत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्वापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

01 जून, 2019



U P RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

Sector - F, Shantipuram, Phaphamau, Prayagraj - 211021

ICSSR Sponsored National Seminar

OPEN AND DISTANCE LEARNING : SIGNIFICANCE, CHALLENGES AND POTENTIALITIES

Organized By :

01 & 02 June, 2019

Venue



School of Education

Tilak Shastrarth Sabhagar
Sarswati Parisar (Academic Campus)
U P Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj (U.P.)-211021

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 01 जून, 2019 को उपरोक्त राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम: मुद्दे, चुनौतियाँ एवं उत्पादकता' विषय पर सरस्वती परिसर रिथ्ट लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित की गयी। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सचिवाराम सिंह यादव जी रहे। मुख्य वक्ता श्री शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली रहे। सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय मार्कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन डॉ० मीरा पाल ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो० पी०के० पाण्डेय ने एवं विषय प्रवर्तन आयोजन सचिव डॉ० दिनेश सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति यादव एवं अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर ई-सोविनियर का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रो० ओम जी गुप्ता, प्रो० पी०पी० दुबे, प्रो० आर०पी०एस० यादव, प्रो० जी०एस० शुक्ल, प्रो० आशुतोष गुप्ता, प्रो० सुधान्धु त्रिपाठी, डा० टी०एन० दुबे, प्रो० एस०पी० गुप्ता, प्रो० धनंजय यादव, डॉ० आर०बी० सिंह, डॉ० रेखा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार का समापन रविवार को अपराह्न 3 बजे होगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. वंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, विलासपुर होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।



ई-सोविनियर का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण /



कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ मीरा पाल एवं मंचासीन माननीय अतिथि।



कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं प्रतिभागीगण।



कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रायें।



माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षक।



कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं प्रतिभागीगण।





माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो० पी०क० पाण्डेय ।



ई-सोविनियर का विमोचन का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण ।



विषय प्रवर्तन करते हुए आयोजन सचिव डॉ० दिनेश सिंह



श्री शिव कुमार

शिक्षा में नैतिकता और मूल्य चिंतन का समावेश हो— शिवकुमार

दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर व्याख्यान देते हुये मुख्यवक्ता श्री शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में जहां शिक्षार्थी का शिक्षक से नियमित सम्पर्क बहुत कम होता है वहां किसी भी प्रकार की बाधा को दूर करने के लिये विशिष्ट शैली में निर्मित पाठ्यसामग्री और परामर्श सत्रों की उपयोगिता बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा तकनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता है। शिक्षा में नैतिकता और मूल्य चिंतन का समावेश मानव संसाधन विकास के लिये अपरिहार्य है। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा के चार सुविचारित आयामों विद्यार्थी, विषयवस्तु, पद्धति एवं शिक्षक पर ध्यान केन्द्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने भगिनी निवेदिता के शैक्षिक विचारों के आलोक में यह प्रतिपादित किया कि शिक्षा लौकिक व्यवहार और शिष्टाचार भी सिखाती है और परम विमुक्ति की ओर ले जाने का साधन भी बनाती है।





प्रो. कौशल किशोर शर्मा

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं— प्रो० शर्मा

सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली व सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमजोर है जिसे मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। इसे प्राथमिक और माध्यमिक स्तर से ही सही करने की आवश्यकता है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं और साथ-2 अनेक चुनौतियां भी हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा वस्तुतः एक अनवरत प्रक्रिया है जो सतत गतिमान रहती है। सतत विकास की अवधारणा अत्यन्त मूल्यवान है। प्रो० शर्मा ने कहा कि आज भारतवर्ष में हर व्यक्ति का सतत विकास की ओर बढ़ना जरूरी है। इसी से उसका चतुर्मुखी विकास और उसके स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। उन्होंने द्रोणाचार्य और एकलव्य का उदाहरण देते हुये बताया कि भारत में प्राचीन काल से शिक्षा के अनेक ऐसे रूप प्रचलित रहे हैं जिन्होंने वंचित वर्गों को भी अपने परिपूर्ण विकास के योग्य बनाया है। हमें उन अच्छाईयों को ढूँढना चाहिये और उन्हें दूरस्थ शिक्षा की नीतियों में सम्मिलित करना चाहिये।





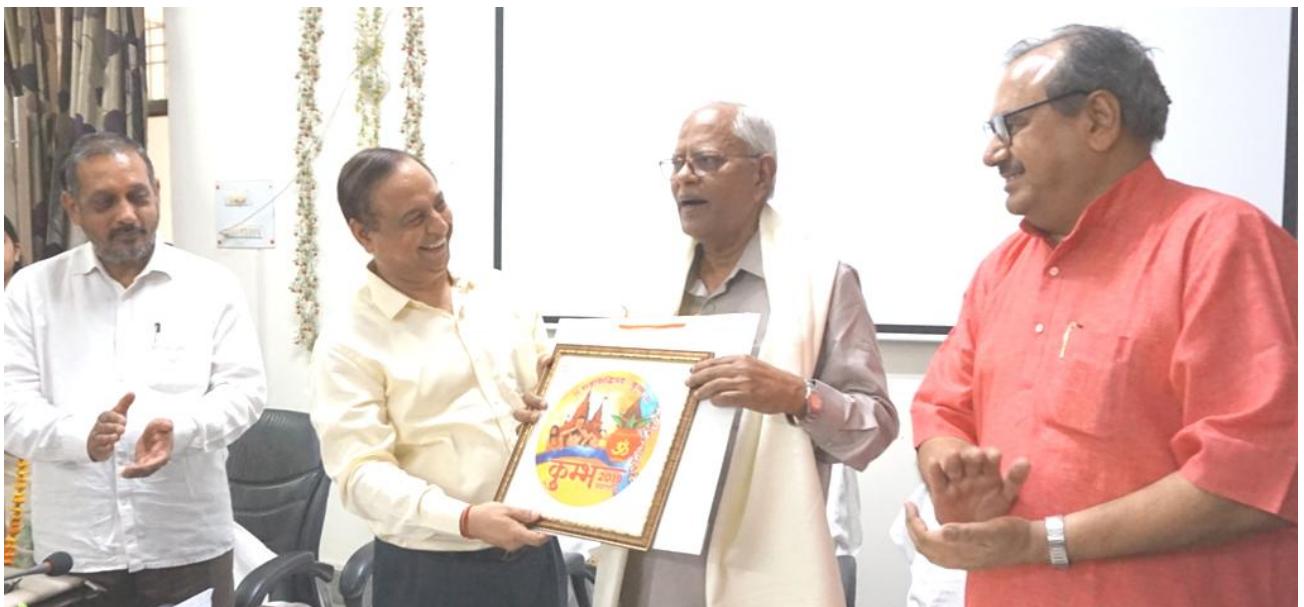
शिक्षा में पारलौकिक शिक्षा का समावेश जरुरी— न्यायमूर्ति यादव

दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने कहा कि लौकिक शिक्षा के साथ साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा में बहुत जरुरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। ज्ञान प्राप्ति के लिये शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी सम्पर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वृद्धि कर सकता है। उन्होंने शिक्षा के पाठ्यक्रम में 'ध्यान' को व्यक्तित्व विकास एवं मन की शान्ति के लिए जरुरी बताया। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि अगर अपने को जानना है तो पराविद्या का आश्रय लेना होगा। सर्वांगीण विकास के लिये ज्ञान के साथ-साथ मनुष्य का आध्यात्मिक विकास भी होना चाहिये।





मुख्यवक्ता श्री शिव कुमार जी को अंगवस्त्र एवं सूति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए
मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह



मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव जी को अंगवस्त्र एवं सूति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत
करते हुए मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह





सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा जी को अंगवस्त्र एवं सूति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए
मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह



मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं सूति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए शिक्षा
विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो० प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं डॉ० दिनेश सिंह।





प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह

शिक्षा का अंतिम उद्देश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है— प्रो० सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज के जीवन में सिद्धान्त का स्थान स्वार्थ और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं ऐसे में शिक्षा का अंतिम उद्देश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है जो शिक्षा के सभी आयामों की सम्पूर्णता से ही संभव है। प्रो० सिंह ने कहा कि भारत प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता वाला देश है। यहां आज आदर्श व्यक्तियों के निर्माण की महती आवश्यकता है, शिक्षा जगत के लिये यह एक बड़ी चुनौती है।



धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्त।



प्रथम तकनीकि सत्र



प्रथम तकनीकि सत्र के मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के पूर्व निदेशक, प्रो० एस०पी० गुप्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए प्रथम तकनीकि सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक, प्रो० ओमजी गुप्ता एवं प्रो० ओमजी गुप्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करती हुई डॉ नीता मिश्रा ।



प्रो० एस०पी० गुप्ता

प्रो० एस०पी० गुप्ता ने कहा कि हमारे मन में शिक्षक—शिक्षार्थी सम्पर्क का जो परम्परागत ढांचा विद्यमान है, उसे बदलने की जरूरत है, तभी हम दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति के संदर्भ में सही ढंग से विचार और कार्य कर सकते हैं। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश है यहा उच्च शिक्षा की बढ़ती हुई मांग को दूरस्थ व मुक्त शिक्षा द्वारा ही प्रभावी एवं गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूरा किया जा सकता है।





प्रधानमंत्री

शिक्षा में पारलौकिक शिक्षा का समावेश जरूरी : न्यायमूर्ति यादव



ई-सौविनियर का विमोचन करते मुख्य अधिकारी न्यायमर्ति यादव एवं उन्हें अधिकारीगण

अनुसंधान
अनुयानित दो
एवं दूरस्थ
ठत्यादकता ।
मुख्यवक्ता वि
संगी विष्णु ।

प्रेषद, नई दिल्ली छारा
वसीय गाढ़ीय संगोष्ठी मुक
वगम: मुड़े, चुनीतांय एवं
य पर व्याख्यान देते हुये
कुमार, अखिल भारतीय
हैं, जो किसी से नहीं हैं।

शैष शैली में निर्मित पाट्यसामग्री
सर्व सुन्तु की उपयोगिता बहु जाती
है कहा कि दूसरे शिष्या में आज
कठोरीको के विकरण्य प्रवेग की
तत है। शिष्या में निरिक्तगा और
उपयोग सम्भव संभव

ज्ञान केन्द्रित करने पर जोर दिया है। भगवान् निवेदिता के शैक्षिक विचारों में वह प्रतिपादित किया गया लौकिक व्यवहार और रिटाउचार की अवधारणा है और एपरम विमुक्ति की ओर ध्यान देने का स्वरूप भी स्पष्ट है।

अर्थात् का स्वाम अवसर लेते जा रहे हैं ऐसे में शिक्षा का अंतीम ठंडलश शिक्षावी का सर्वोच्च विकास करते हैं और शिक्षा के पृष्ठभूमि को प्रगतिशील हो दी जाती है। प्रगति देने के कारण भारत प्रायिक संस्कृतों को बहुत बाला रहा है। इसका अन्त अद्वितीय होता है कि शिक्षा को महती अवसरता है, शिक्षा जलते के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अखतवाल अवसर लेने का लकार दिया गया था, अब उन्होंने दूसरी ओर की ओरीनों से सम्बोधित करना चाहिए।

इस विवरण अपराधी संगोष्ठी का संचयन ढूँढ़ा गया, पाल ने किया अधियोगी का स्वाम प्राप्त पोर्टफोलियो में यह विषय अवसर अव्याप्ति संबंधित दर्शाया। दिल्ली विधि ने किया विवरण अवसर कुल-विषय डा. अश्विनी कुमार गुरु के निमंत्रण। युवा अधिकारीयां नामांकित वाल एवं अन्य अधियोगी ने इस अवसर पर ई-सेलिक्यूरिंग का विप्रवाचन किया। इस अवसर पर ग्रामों पर जीव जूनू, ग्रामों पौरी, ग्रामों अश्विनीपुर, ग्रामों बालादार, ग्रामों जानकीपुर आदि ग्रामों पर आवासों ग्राम अवसर दिया गया।

卷之三

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आएगी 15

बाबुलालोदेवा के सिंहासन दर्शना अपनीका की कही पर्दीवा ॥ १६

ज्ञान प्राप्ति को एकाग्रता जरूरीः न्यायमूर्ति

प्रयागराज। ज्ञान प्राप्ति के लिए शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी सम्पर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वृद्धि कर सकता है। ‘ध्यान’ व्यक्तित्व विकास एवं मन की शान्ति के लिए जरूरी है। यह बातें न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने कही। वे शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विविमें आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

राजस्थान मुक्तिविदों की पुस्तकालय (4 ट)

फैजाबाद (अयोध्या)। हज़ार सर्विस ट्रेन मुक्त विवि की जून मह-2018 की परीक्षा 4 जून से प्रारम्भ हो गई है। विवि ने अयोध्या क्लिंटीव केन्द्र के अंतर्गत अपने बाले अध्ययन केन्द्रों के छात्र-छात्राओं के लिए 12 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इन सभी परीक्षा केन्द्रों पर 6 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षाये दो पालिंबों प्रति: 8-11 एवं दोपहर 2-5 बजे के बीच संकल होंगी। अध्यार्थी अपना प्रवेश पत्र एवं परीक्षा समवय साझी विवि की वेबसाइट लुक्लूक्सूडस्ट्रू डाट यूनिअर्टीओयू डाट एसी डाट इन से डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षार् सीसीटीवी की विगती में सम्पन्न होगी। अधीक्षा जनपद के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों का परीक्षा केन्द्र शीणएस गल्फ विहार काले व जानी चाईयास परिक्षा मर्यादा वाले बनाय रखा है। परीक्षणी किसी भी सम्बन्ध के सम्बन्ध में लिए 7925048015 पर संपर्क कर सकते हैं। उक्त जानकारी केन्द्र के सम्बन्धक डॉ. जारीभूषण गुप्त विद्यार्थी ने एक विवरण में दी।

राजस्थान मुक्त विधि
की परीक्षाएं चार जून से

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं चार जून से प्रारम्भ हो रही हैं। विश्वविद्यालय ने अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के अलग-अलग अध्ययन केन्द्रों के छात्र-छात्राओं के लिए 12 परीक्षा केन्द्र बनाये हैं।

इन सभी परीक्षा केन्द्रों पर छह हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षायें दो पालियों प्रातः आठ बजे से 11 बजे तक एवं दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होंगी। अध्यर्थी अपना प्रवेश पत्र एवं परीक्षा समय सारिणी विवि की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षाएं सीसीटीवी की गिरानी में होंगी।

अयोध्या जनपद के तहत आने वाले अध्ययन केन्द्र का परीक्षा केन्द्र बीएनएस गल्स डिग्री कॉलेज, जनौरा को बनाया गया है। परीक्षार्थी किसी भी समस्या के समाधान के लिए 7525048015 पर सम्पर्क कर सकते हैं। यह जानकारी राजर्थि टण्डन मुक्त विवि के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ.शशि भूषण त्रिपाठी ने दी।



मुक्त विद्यान

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

02 जून, 2019



मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह जी को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

दिनांक 02 जून, 2019 को उपरोक्त राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम: मुद्दे, चुनौतियाँ एवं उत्पादकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं. सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय मार्कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

इससे पूर्व डॉ. नीता मिश्रा ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक प्रो. पी. पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. एस.पी. गुप्ता, प्रो. धनन्जय यादव, प्रो. पी.पी. दुबे, प्रो. पी.पी.पाण्डेय, डॉ. आर.बी. सिंह, प्रो. नागेन्द्र यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।



प्रो. बंश गोपाल सिंह

शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो शिक्षण सामग्री— प्रो० बंशगोपाल

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़े जाने की जरूरत है। इसके लिये सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से साहचर्य वाला पाठ्यक्रम शामिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि परम्परागत शिक्षा संस्थानों पर आज बहुत दबाव है। इण्टरमीडिएट के बाद ड्रॉपआउट दर बहुत ज्यादा है, ऐसे शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा माध्यम एक बड़ा कार्य कर रहा है। प्रो० सिंह ने कहा कि आज जो नये विकास ज्ञान और कौशल के क्षेत्र में हो रहे हैं उनके शिक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना मुक्त विश्वविद्यालय के कार्य हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति से जुड़कर कामकाजी महिलायें, सेवानिवृत्त जिज्ञासु तथा नौकरी कर रहे लोग भी अपने ज्ञान का विकास का सकते हैं। समय की गति को देखते हुये शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण सामग्री तैयार कराना दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा क्षेत्र की एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज 35 लाख से अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जो कि 11 प्रतिशत जनसंख्या कवर कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सीमित दायरे में है इसे अभी हमको और अधिक आगे बढ़ाना है।





दूरस्थ व मुक्त शिक्षा एक सार्थक विकल्प —प्रो० कामेश्वर

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि 21वीं शताब्दी की इस दूसरी दहलीज के अन्तिम शिखर पर खड़ा मानव एक विचित्र संकट को झेल रहा है एक ओर जहां जनसंख्या विस्फोट है वहीं दूसरी ओर संसाधनों की कमी है। एक तरफ लोगों की बढ़ती हुई आकांक्षाएं हैं तो दूसरी ओर उच्च शिक्षा में नामांकन दर मात्र 25.3 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2030 तक इसे 51 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है यह एक बड़ी चुनौती है। वर्तमान परम्परागत विश्वविद्यालय इस लक्ष्य को पूरा नहीं कर सकते ऐसे में निश्चय ही दूरस्थ व मुक्त शिक्षा निःसन्देह एक सार्थक विकल्प है। प्रो० सिंह ने कहा कि इतने बड़े प्रदेश के हर जिले और गांव तक अभिगम्यता स्थापित करना हमारे लिये एक चुनौती है। हमें अपनी क्षमता दक्षता और कुशलता के आधार पर सीमित संसाधनों में ही अच्छा कार्य करके दिखाना होगा। हमारा लक्ष्य हर स्थिति में मानव संसाधन का परिपूर्णतम विकास करना है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र और आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण परिवर्तन और परिवर्द्धन दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का एक सकारात्मक पक्ष है जो सतत शिक्षा के क्षेत्र में इसे उपयोगी बनाता है।



प्राप्तिकार, लोकाल, ३ नवंबर, २०१८

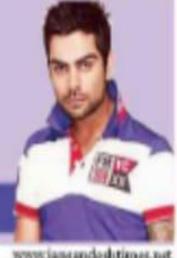
जनसंदेश टाइम्स

लोक गति, जुलाई १ वर्ष २ अंक २५ दृष्टि १६, भूल ३.००

परख सच की

विराट के अन्हूंठे में
लगी छोट - १२

जैहे को रौसा की लौति कारवाह नहीं : उवाह - १५



www.jansandeshtimes.net

जनसंदेश टाइम्स प्राप्तिकार, लोकाल, ३ नवंबर, २०१८

३

प्रयागराज



शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो शिक्षण सामग्री : प्रो० बंथगोपाल

दूरस्थ व मुक्त शिक्षा एक सार्थक
विकल्प - प्रो० कमरेश्वर

मुद्रिति में दूरस्थ शिक्षा पर
राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रयागराज। ३०१० राजपै टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में रविवार को लोकमान्य तिलक रास्त्रीय सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हमुन्त एवं दूरस्थ अधिग्रहण: मुद्रे, चुनौतियाँ एवं उत्तादकाङ्क्षा का समापन हुआ। समापन सत्र के मुख्य अविधि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़े जाने की जरूरत है। इसके सिये सैद्धान्तिक

प्राद्यक्षम के अतिरिक्त जीवन की वास्तविक परीक्षियों से साहचर्य बाला प्राद्यक्षम शामिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि परम्परागत शिक्षा संस्थानों पर आज बहुत दबाव है। इण्टरमीडिएट के बाद डॉपआउट दर बहुत ज्यादा है, ऐसे शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा प्राप्त्यम एक बड़ा कार्य कर रहा है। प्रो० सिंह ने कहा कि आज जो नये विकास ज्ञान और बोहल के क्षेत्र में हो रहे हैं उनके शिक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना मुक्त एवं दूरस्थ अधिग्रहण: मुद्रे, चुनौतियाँ एवं उत्तादकाङ्क्षा का समापन हुआ। समापन सत्र के मुख्य अविधि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय,



संगोष्ठी की संबोधित करते हुए प्रोफेसर

अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जो कि ११ प्रतिशत जनसंख्या जनसंख्या विफलेट है वहाँ दूसरी ओर संसाधनों की कमी है। एक कवर कर रहे हैं, लेकिन यह अभी तरफ लोगों की बढ़ती हुई सीमित द्वायरे में है इसे अभी हमको और अधिक आगे बढ़ाना है।

अध्यक्षीय उद्घोषन करते हुए कुलपति प्रो० कमरेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि २१वीं शताब्दी को इस शिक्षा क्षेत्र की एक बहुत बड़ी दृष्टि दहलीज के अन्तिम शिखर प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है यह

आधार पर सीमित संसाधनों में ही अच्छा कार्य करके दिखाना होगा। हमारा लक्ष्य हर हिस्ति में मानव संसाधन का परिपूर्णतम विकास करना है। उन्होंने कहा कि अपने छेत्र और आवश्यकता के अनुसार प्राद्यक्षम निर्माण परिवर्तन और परिवर्द्धन दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का एक सकारात्मक पक्ष है जो सतत शिक्षा के क्षेत्र में इसे उपयोगी बनाता है। इससे पूर्व ढाँ० ज्ञान मिश्न ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया अविधियों का स्वातंत्र संगोष्ठी के संयोजक प्रो० पी० के० पाण्डेय ने किया।

संचालन ढाँ० ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञान कुलसंचिव ढाँ० अरुण कुमार गुप्त ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो० एस०पी० गुप्ता, प्रो० बनन्जय यादव, प्रो० पी०पी० दुबे, प्रो० पी०पी०पी० पाण्डेय, ढाँ० आर०गो० सिंह, प्रो० नारेन्द्र यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।



ज्ञान प्राप्ति के लिए एकाग्रता जरूरी

मुक्त विश्वविद्यालय में हुए सेमिनार में बोले न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव

प्रयागराज। ज्ञान प्राप्ति के लिए शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना जरूरी है। साथ ही लौकिक शिक्षा के साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा में बहुत जरूरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। यह बात न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश राजषिंह टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन पर कही। उन्होंने ई-सोलिवियर का विमोचन भी किया।

'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्रदे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी संपर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में



राजषिंह टंडन मुक्त विवि में शनिवार को आयोजित सेमिनार में सीडी का लोकार्पण किया गया।

बढ़ि कर सकता है। मुख्य वक्ता विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री शिव कुमार ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा किनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता है। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर ने कहा कि आज के जीवन में

सिद्धांत का स्थान स्वार्थ और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं। सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमज़ोर है और इसे मजबूत बनाने की जरूरत है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया।



राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

प्रयागराज, वर्ष 28
अंक 220 | रविवार
02 जून, 2019
पृष्ठ 12 | ₹ 4.00

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रसारित

शिक्षा में पारलौकिक शिक्षा का समावेश जरूरी- न्यायमूर्ति यादव

प्रयागराज। मुख्यिमें दूरस्थ शिक्षा परामर्शी संगोष्ठी का समापन आज लौकिक शिक्षा के साथ साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा भी जरूरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। ज्ञान प्राप्ति के लिये शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। उत्तर उद्घाटन न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने ३०४० राजषिंह टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी कक्षाओं के साथ्यम से अपने विषय के ज्ञान में वर्षद्विकरण कर सकता है। उन्होंने शिक्षा के पाद्यक्रम में 'ध्यान' को व्यावितरण विकास एवं मन को लिए ज्ञान के लिए जाना भी होना चाहिये।

शिक्षा विद्या शाखा के तत्त्वावधान में शनिवार को लोकमान तिलक शास्त्रार्थ सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुबन्धित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्रदे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर व्याख्यान देते हुये मुख्यवक्ता श्री शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा

में जहां शिक्षार्थी का शिक्षक से नियमित सम्पर्क बहुत कम होता है वहां किसी भी प्रकार की बाधा को दूर करने के लिये विशिष्ट शैली में नियमित पाठ्यसामग्री सत्रों की उत्पोषिता बढ़ा जाती है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा तकनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की अवश्यकता है। शिक्षा में नैतिकता और मूल्य वित्तन के समावेश मानव संसाधन विकास के लिये परायित है। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा के चार सुविचारित आयामों विद्यार्थी, विशेषवस्तु, पढ़ने एवं शिक्षक पर ध्यान केन्द्रित करने पर जो दिया। उन्होंने भगिनी निवेदित के शैक्षिक विचारों के आलोक में यह प्रतिपादित किया कि शिक्षा लौकिक व्यवहार और शिवाचार भी सिखाती है और परम विद्युत की ओर ले जाने का साधन भी बनाती है।

अध्यक्षीय उद्घोषन करते हुए किसी भी प्रकार की बाधा को दूर करने विशिष्ट शैली में सिद्धांत का स्थान रखाये और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं ऐसे में शिक्षा का अंतिम उददेश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है जो शिक्षा के सभी आयामों की सम्पूर्णता से ही संभव है। प्रो० सिंह ने कहा कि इसी से उसका चर्चुमीवित्तन की बहुलता बाला देश है। सारस्वत अतिथि प्रो० कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली व सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमज़ोर है जिसे मजबूत किए जाने को आवश्यकता है। इसे प्राथमिक और संघीयक स्तर से ही सही करने की आवश्यकता है। दूरस्थ एवं मुक्त

शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं और साथ-2 अनेक चुनौतियां भी हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा वित्तन-एक अनेकता प्रक्रिया है जो सतत गतिशाला रहती है। इस अवसर पर प्रो० आम जी गुप्ता, प्रो० पी० पी० पी० दुबे, प्रो० आर०पी०ए०स० यादव, प्रो० जी०ए०स० शुक्ल, प्रो० आशुषा गुप्ता, प्रो० सुनाशु त्रिपाठी, डॉ० टी०ए०न० दुबे, प्रो० ए०स०पी० गुप्ता, प्रो० अनंजन यादव, डॉ० आर०पी० सिंह, डॉ० रेणा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सेमिनार का समापन रविवार को अपराह्न ३ बजे होगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो० वैश्वा भोपाल सिंह, कूलपति, पंसुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, विलासपुर होगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे। अन्यवाद ज्ञान कुलसचिव

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

खबरंग चेतना

शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो शिक्षण सामग्री- प्रो.बंशगोपाल

प्रपादवर्ती, विद्यालिंगी के इनकारों द्वावाहारिक जीवन की आवधिकारीओं से जोड़े जाने की चक्रता है उसके लिये मैट्रिसिक पालकम और अतिरिक्तजीवन जीवनात्मक वरीयताओं से मानवार्थ वाला पालकम चापिल नहरे की आवधिकारा है जब जाति-मुख्य अतिरिक्त प्रो-व्यष्टियोगात्म मिश्र, कुलपती, पं. सुनद लाल यामा मुकु त्रिविजितालाल, विजयनानपूर जीवीमनह ने गविंश द्वारा उत्तराधिकारी घोषित किए, प्रधानमन्त्री ने नवायायम में भारतीय जागरूकिन्स विज्ञान अनुसंधान परिषद, न्यू इंग्लैण्ड ब्रांच नवायायित द्वे विभायिक गवर्नरीय बोर्ड्स 'काल स्टी' द्वावा

अधिकारीय वृद्धे, नवीनिति के एवं उत्पादकता के हास्यपूर्ण लक्षण यह कहा है। उन्होंने आगे कहा कि यसमानत विद्या संस्थानों पर अब बहुत दबाव है। इन्हनें ये जाद छोड़ना चाहत दर बहुत लालादा है, ऐसे विद्यार्थियों के लिए युवाल विद्या विभाग एक बड़ा काम कर रहा है। जाव जो नये विकास ज्ञान और कौशल के क्षेत्र में हो जाए है उसके लिये और वीजेट विद्यालय का यह युवा तिर्यक के लक्ष्य है। युवाओं विद्या पढ़ती है युवाओं नवीनताएं, सेवाएं और निजात में जानकारी जरूर रखती है अपने ज्ञान पर विश्वास का मक्कन है। जाव 35 लाख से अधिक विद्यार्थी लाला जी माल विद्या

दक्षिण ये विद्या प्राचीन काल से ही है। लाभविज्ञान कर्त्ता हुए कुलपतीजोंका वर्गमेपर नव विधि हे प्रकार विधि 2 यो वाकी की इस दृष्टी से वाकी के अनियन्त्रित वर यहाँ मानव एक विशिष्ट लोकट होने वाले हैं। परन्तु और उन्होंने जनविज्ञान विभागोंके वासी दूसरी ओर गवाहाओं की कठीनी है। एक नएक जातियों की बहारी हुआ जापनेहार है तो दूसरी ओर वर्ष विज्ञान में नवमेकान दरवाजा 253 प्रतिशत है। पाल्ज लंगायान विकास मन्त्रालय ने 2030 तक इसी 21 वित्तिक विकास नक्शा रखा है। यह एक बड़ी चुनौती है। लोगोंने यहाँ कि इनसे बढ़े प्रश्न ये हैं कि विज्ञान और वाचन अधिगमन स्थापित करना हमारी शिक्षा व्यवस्था का उपर्युक्त

है। इमें शारीरी झज्जरा, नश्यत और कुप्रबलता के लाभार्थ पर सीधीतर लंगाधनों में ही अवृद्धि करने के लियाना होता है। इसका सर्वाधिक मिहिती में मानव संसाधन का चरित्रपूर्ण उत्तराधिकारी होता है। इसमें पूर्ण जीवन विज्ञान ने ही स्फीकारीय परामर्शोंने संबोधित पर विचोरण प्रस्तुत किया। शारीरिकीय पर स्वास्थ्यन क संरक्षण के नियोजन प्रो-गीके पाठ्यक्रम ने किया। संचालन और ग्रान उत्पादन वादाएँ एवं प्रबन्धनादात्रान युक्त लकड़ीय वास्तविकता कुमार युवा ने किया। अब लकड़ीय वास्तविकता वाली एवं एसायी बुना, झो, अनेक वायव, प्रो-टीपी दूध, प्रो-टीपी पायाएंगे, तू, अनन्ती सिंह, गानानेन्द्र, प्रसाद अग्री ने अपने विद्यार उत्तम दिले।

अमर उजाला

03-06-2019

न्यूज आखरी

ज्ञान को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने की जरूरत

प्रयागराज। शिवार्थियों के ज्ञान को व्याप्तिहरिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़ने की ज़रूरत है। इसके लिए मेद्डिनिक पठनक्रम के अधिरिक्त जीवन की वास्तविक स्थितियों से सहजचर्च लाल पठनक्रम समिल करने का प्रयत्न करता है। यह आत्म पर्फिट मुद्राएं लाल शर्मा नवत विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रौ. अर्णा गोपाल सिंह ने उत्तर प्रदेश राजपर्षे टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के सम्पादन पर कहा है। 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम मुद्राएं, चौरूपतिया एवं उत्पादकता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में नुज़कर कामकाज़ महिलाएं, सेविकायन लोग और नौकरी करने वाले भी अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आज 3.5 लाख से अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अभ्यर्थी करते हुए राजपर्षे टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा निर्वित रूप से एक सार्वकार्यक्रियालय है। इससे पूर्व डॉ. नीता मिश्ना ने संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रसन्नत की। स्वयंगत प्रौ. पीके पांडेय, मंचालन दौ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं धर्मवदाद ज्ञापन द्वा. अरुण कुमार गुनन ने किया। अन्य तकनीकी संज्ञों में प्रौ. एसपी गुला, प्रौ. धनेश्वर यादव, प्रौ. पीके दुबे, प्रौ. लीके पांडेय, डॉ. अरवीं सिंह, प्रौ. नायेंद्र यादव ने अपने विचार व्यक्त किए।



मुक्त विद्यान

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

04 जून, 2019



राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रारम्भ

मा० कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून— 2019 की परीक्षायें दिनांक 04 जून, 2019 को प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुईं। 70 हजार परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। आज पहले दिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुये नहीं पकड़ा गया। परीक्षायें दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचितपूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो० सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सी०य०जी० मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ० गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षायें प्रारम्भ हुईं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। परीक्षायें 20 जुलाई 2019 को समाप्त होंगी।



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



रमा जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जे.वी.जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



महार्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



मुलतानीमल माद्दी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, माद्दीनगर (परीक्षा केन्द्र '053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



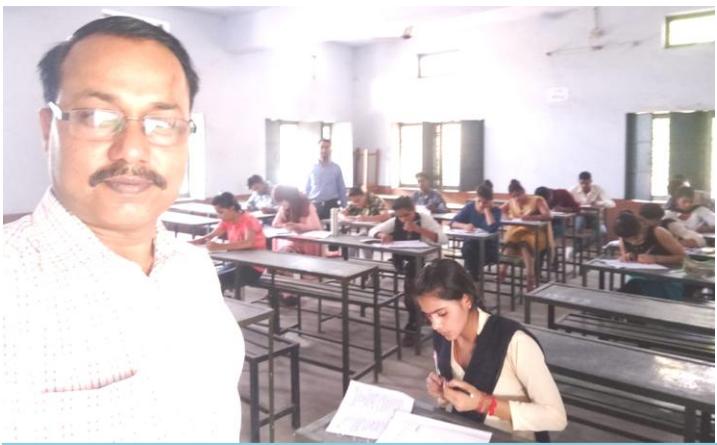
झामबाबा महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र '198) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज, बस्ती (परीक्षा केन्द्र '025) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



बी. एन. यस. गल्फ़ डिग्री कालेज जनोरा, फैजाबाद, अयोध्या



नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र '538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '223) पर परीक्षा देते हुए



श्री महावीर प्रसाद महिला
महाविद्यालय, लखनऊ (परीक्षा
केन्द्र '263) पर परीक्षा देते
हुए परीक्षार्थी





वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र ०९०) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ आज से

ललितपुर: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के समस्त केन्द्रों पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी, दीपचन्द्र चौधरी महाविद्यालय, सुदर्शन डिग्री कॉलेज बॉसी, पीएन शर्मा महाविद्यालय सैदपुर एवं रानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय बुढ़वार के अभ्यर्थियों की परीक्षा नेहरू महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र पर 4 जून से सुबह 8 से 11 एवं अपराह्न 2 से शाम 5 तक होगी। यह जानकारी देते हुये केन्द्र समन्वयक/प्राचार्य डॉ. अवधेश अग्रवाल ने बताया कि छात्र/छात्राएँ वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने छात्र/छात्राओं से जूता-मौजे, मोबाइल, इलैक्ट्रॉनिक डिवाइस आदि न लाने की अपील की है।

विविध गतिविधियां

यूपीटीआरओयू की परीक्षाएँ आज से

जासं, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीटीआरओयू) की सत्र 2019-20 की परीक्षाएँ आज से शुरू हो रही हैं। इसके लिए तीन जगह पर परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। विवि की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि नोएडा कार्यालय के तहत पांच जिले आते हैं। इनमें से अलीगढ़, मोदीनगर और डासना में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। गौतमबुद्ध नगर के शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले छात्रों का परीक्षा केंद्र डासना के सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल

स्टडीज में बनाया गया है। वहीं, अन्य जिलों के छात्रों के लिए अलीगढ़ के धर्म समाज महाविद्यालय और मोदीनगर के मुल्तानीमल मोदी परास्नातक महाविद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा दो पालियां में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 4 बजे से 10 बजे तक आयोजित होगी। दूसरी पाली का आयोजन दो से पांच बजे तक किया जाएगा। छात्र विवि की वेबसाइट 222.uprtou.ac.in पर जाकर अपने प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

खास खबरें

यूपीआरटीओयू की परीक्षा आज से

■ एनबीटी न्यूज, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) की सत्र 2019-20 की परीक्षाएँ आज से शुरू हो रही हैं। विवि की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि नोएडा कार्यालय के तहत 5 जिले आते हैं। इनमें से अलीगढ़, मोदीनगर और डासना में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। गौतमबुद्ध नगर के शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले छात्रों का परीक्षा केंद्र डासना के सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में बनाया गया है। अन्य जिलों के छात्रों के लिए अलीगढ़ के धर्म समाज महाविद्यालय और मोदीनगर के मुल्तानीमल मोदी परास्नातक महाविद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

यूपीआरटीओयू की परीक्षाएँ आज से

नोएडा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) की सत्र 2019-20 की परीक्षाएँ आज से शुरू हो रही हैं। क्षेत्रीय निदेशिका डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि विवि के क्षेत्रीय केंद्र नोएडा के अंतर्गत तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। एस-20 सेक्टर-39 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, एस-1170 सेक्टर-62 प्रेरणा जन संचार और शोध संस्थान, एस-1607 नोएडा, एस-1445 धूम, दादरी, एस-1206 के सभी स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों का परीक्षा केंद्र एस-633 सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज डासना को बनाया गया है। ब्यूरो

हिन्दुस्तान

तरवरी को चाहिए नया नजारिया



दिवाली, 05 जून 2019, प्रसारणालय, राम अंडेश्वर, 21 लखनऊ, उत्तर प्रदेश

www.livehindustan.com

इंटर
गुबारक

पृष्ठ 12, जल 120, 24 पट्टा, नगर 45.00 रु. ५.५५ रु. विषय लाइन (लाइन), लोक सुना राम ईवीएस, लोक सुना २४

हिन्दुस्तान

05.06.2019 • तुम्हारे 05 जून 2019



42.8° | 29.0° | तारीख: 05.12

लोकांश: 05.12 | वर्षा: 06.51

प्रयागराज

Different weather forecast



मुविवि के कुलपति ने केंद्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं मंगलवार को प्रदेश के 139 परीक्षा केंद्रों में हुईं। 70 हजार परीक्षार्थियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों में परीक्षा दी। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सीयूजी मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज के परीक्षा केंद्रों पर शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षाएं हुईं। 20 जुलाई को परीक्षाएं समाप्त होंगी।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

● कुलपति प्रो. के एन सिंह ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

प्राधिकार समाचार सेक्टर | प्रयागराज

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र जून 2019 की परीक्षाएं मंगलवार को इंद्रेश के 139 परीक्षा केंद्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गयीं। 70 हजार परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केंद्रों में परीक्षा दे रहे हैं। आज पहले दिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुये नहीं पकड़ा गया।

परीक्षावें दो परिवर्तनों में छाता: 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारितर्कित एवं शुद्धिकृत ढंग से आयोजित की जा रही है। भौतिक गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त शांति बल एवं प्रक्रान्ति



की जबरस्था को यादी है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सीयूजी मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें।

द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रों के केंद्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षायें प्रारंभ हुईं।

केंद्रायर्थी की निगरानी में परीक्षार्थियों एवं उम्मीदारों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। परीक्षाएं 20 जुलाई को समाप्त होंगी।



ज्ञानसंकेत दास्तावच प्रधानमंत्री, बुद्धगढ़, ३ जून, २०१९

3

प्रथागराज

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रारम्भ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की सत्र जून- 2019 की परीक्षायें मंगलवार को प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुईं। 70 हजार परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। आज पहले दिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुये नहीं पकड़ा गया। परीक्षायें दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारदर्शिता एवं सुचितपूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो० सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सी०य०जी० मोबाइल से परीक्षाधर्थियों की



परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते कूलपति

समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ० गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ,

बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी
एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के
अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा
केन्द्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण
ढंग से परीक्षायें प्रारम्भ हुईं।

केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। परीक्षाये 20 जुलाई 2019 को समाप्त होंगी।



मुक्त विद्यालय

News Letter

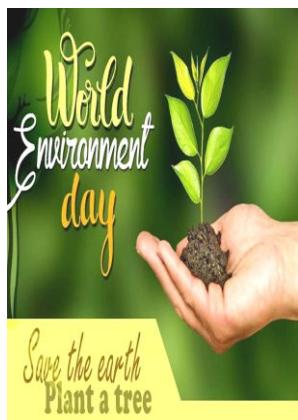
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

05 जून, 2019

विश्व पर्यावरण दिवस



वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ सुनीता सिंह

कुलपति ने किया मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण

दिनांक 05 जून, 2019 को उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्त्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ सुनीता सिंह ने विश्वविद्यालय पवित्र के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण किया।

कुलपति प्रो० सिंह ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हमें जल जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं जिससे पर्यावरण की अपार धृति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक वृक्ष जरूर लगाये। पेड बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। वनस्पतियां हमारी धरोहर रही हैं। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहाँ जहाँ नदियों की पूजा होती है वहीं वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। उन्होंने परिसर को हरा भरा रखने के लिये इस कार्य में लगे मालियों की सराहना की। कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का यह दायित्व बनता है कि वे पेड़ पौधों को सूखने न दें। उन्होंने हरित परिसर के संकल्प को साकार करने का आहवान किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ० अभिषेक सिंह ने कुलपति प्रो० सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ० सुनीता सिंह का स्वागत किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में डॉ० सुनीता सिंह डॉ० अभिषेक सिंह, डॉ० अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ० प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में विश्वविद्यालय पविर के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ सुनीता सिंह





विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आगासीय परिसर में विश्वविद्यालय पवित्र के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ० सुनीता सिंह

जनसंदेश टाइम्स



प्रयागराज, यूपी, 6 जून 2019

परख सच्च की

लोहाब ने धोनी को कम्प्यूटर
से भी लैज बांगड़ - 13



सभी वनों का सम्बन्ध करके बात होता है वार्षिक : जीतीश - 15

जनसंदेश टाइम्स प्रयागराज, 6 जून 2019

प्रयागराज मालिक

वृक्ष रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना साकार होगी : कुलपति

प्रयागराज। पर्यावरण संरक्षित करने के लिए हमें जल, जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण की अपार क्षति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक पौधा जरूर लगाये। पेड़ बचे रहेंगे, तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है।

यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह ने पौधारोपण के उपरान्त कहा है। उन्होंने कहा कि वनस्पतियां हमारी धरोहर रही हैं। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहां जहां नदियों की पूजा होती है वहां वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ.



वृक्षारोपण करते कुलपति व उनकी पत्नी

अभियंक सिंह ने कुलपति प्रो. सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह का स्वागत किया। पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार सिंह भद्रीरिया एवं डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. अभियंक सिंह, डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

अमर उजाला

प्रयागराज
प्रयागराज, 6 जून 2019

प्रयागराज
प्रयागराज, 6 जून 2019

सफलता नीट में इस बार बाजी बेटियों के नाम

उत्तर प्रदेश



इयियि वीसी प्रो. हांगलू और मुवियि वीसी प्रो. केएन सिंह ने पौधारोपण किया।

शिक्षकों ने लगाए पौधे, लिया संरक्षण का संकल्प

प्रयागराज। पर्यावरण दिवस पर इयियि, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय समेत कई शिक्षण संस्थानों में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इयियि परिसर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कुलपति प्रो. रतन लक्ष्म हांगल ने कहा कि यह पर्यावरण हमारा है और इसे बचाना हमारी जिम्मेदारी है। कुलपति आवास में भी जीव और अशोक के कई पौधे लगाए गए। इस भौमिक पर संजिन्दार प्रो. एनके सिंह, विज अधिकारी डॉ. सुनीता कोंत मिश्र, आंकिटा अध्यक्ष डॉ. डमेश प्रताप सिंह आदि भौमिक के नेतृत्व में पौधारोपण हुआ। उधर, इयियि के

पौधारोपण हुआ। इस भौमिक पर डॉ. प्रदीप कुमार उपाध्याय, डॉ. अनिय कुमार शामा, हेमंत कुमार सिंह, देवद्र प्रताप सिंह आदि भौमिक रहे। वहां मुवियि ने पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हमें जल, जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। इस भौमिक पर कुलपति की पाली डॉ. सुनीता सिंह समेत डॉ. अभियंक सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह भद्रीरिया, डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे। उधर, कुलभास्कर आश्रम पौजी कलेज में शिक्षक डॉ. आरए अवस्थी के नेतृत्व में पौधारोपण हुआ।

आज

CMTK
महानगर

प्रयागराज, गुरुवार, 6 जून, 2019

पेड़ बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना होगी साकार - कुलपति

पर्यावरण संरक्षित करने के लिए हमें जल, जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण की अपार क्षति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक वृक्ष जरूर लगाये। पेड़ बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह ने वृक्षारोपण के उपरान्त कहा। उन्होंने कहा कि वनस्पतियां हमारी धरोहर रही हैं। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहां जहां नदियों की पूजा होती है वहां वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डा. अभियंक सिंह ने कुलपति प्रो. सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह का स्वागत किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. अभियंक सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह भद्रीरिया एवं डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।



मुक्त विद्यालय

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

06 जून, 2019

योजना बोर्ड की 32वीं बैठक



उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड की 32वीं बैठक दिनांक 06 जून, 2019 को अपराह्न 12:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रो0 योगेन्द्र सिंह, कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर, विश्वविद्यालय, बलिया, प्रो0 एस.के. सिंह, पूर्व कुलपति, म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल, श्री अम्बुज गुप्ता, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोष कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 मुकेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।



योजना बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।



मुक्त विद्यान

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

07 जून, 2019



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति जी ने किया सरस्वती परिसर में परीक्षाओं का निरीक्षण

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून- 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रुबरू हुए। प्रो० सिंह ने कक्षावार निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।

आज बी०ए०, एम०ए०, एम०काम०, एम०एस०सी०, एम०सी०ए०, बी०बी०ए०, पत्रकारिता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रो० पी०पी० दुबे, प्रो० आशुतोष गुप्ता, प्रो० पी०के० पाण्डेय एवं डॉ० विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी.
कालेज, मेरठ
(परीक्षा केन्द्र .019)
पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र .633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र '053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र '229), जैन कन्या
महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) एवं
धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001)
पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी





गोपनीय, अमेरिका, १ नवंबर, २०१८

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रतिवार्षिक, गुरुवार ३ वर्ष ३ अक्टूबर २०१८, त्रिपुरा २०१८

वर्ल्ड ट्रेयर के गैरिजन में धोर्ने
वर्गम आईसीसीई - १३

बाणार विधाद कह दृश्य की बीज को नई गौण - १५



गोपनीय, अमेरिका, १ नवंबर, २०१८

४

प्रधानमंत्री माझा

कुलपति ने किया सरस्वती परिसर में परीक्षाओं का निरीक्षण

प्रधानमंत्री । ३०प्र० २०१८ राजधानी टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रधानमंत्री की सत्र जून- २०१९ की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रधानमंत्री क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। कुलपति प्र० ३० कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शोतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रुबरू हुए। प्र० ३० सिंह ने कक्षवार मिरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।

शुक्रवार को बी०ए०, एम०ए०, एम०काम०, एम०एस०सी०, एम०सी०ए०, बी०बी०ए०, पत्रकारिता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्र० ३० पी०पी० दुबे, प्र० ३० आशुतोष गुप्ता, प्र० ३० पी०क०



निरीक्षण करते कुलपति

पाण्डेय एवं डॉ० विनोद कुमार गुप्त हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्राप्त: ८ आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। से ११ तथा दोपहर २ से ५ बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



आनंदी मेल

वर्ष-10 अंक- 266 (हिन्दी टैगिंग) लखनऊ, शनिवार, 8 जून 2019 R.N.I No.UPHIN/2009/2930 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रुपए
फर्जी नाम, पते से घटूतपि शिक्षायत पर एकआइआर दर्ज ...2 प्रधान गर्भी और बहुता जल संकट ...4 गर्भी ते बच्चो के लिए बनाए गोला खुलाई आईसाइडीग ...7

3

लखनऊ, शनिवार, 8 जून 2019

प्रादेशिक

आनंदी मेल (हिन्दी टैगिंग)

कुलपति ने किया सरस्वती परिसर में परीक्षाओं का निरीक्षण



प्रयागराज। ३०प्र० राजर्थि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, जून- २०१९ की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण हंग से आयोजित की जा रही है।

कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्भी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्यास मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो० सिंह ने कक्षवार

निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे। आज बी०ए०, एम०ए०, एम०काम०, एम०एस०सी०, एम०सी०ए०, बी०बी०ए०, पत्रकारिता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रो० पी०पी० दुबे, प्रो० आशुतोष गुप्ता, प्रो० पी०के० पाण्डेय एवं डॉ० विनोद कुमार गुप्ता आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



मुक्त विद्या

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

08 जून, 2019



विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा० सदस्यगण।

विद्या परिषद की 59वीं बैठक आयोजित

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 59वीं बैठक दिनांक 08 जून, 2019 को अपराह्न 12:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, माननीय कुलपति, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में डॉ० एस.पी. सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो० बी०एन० सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० पी०पी० दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० आर०पी०एस० यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० पी०के० पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० सुधांशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ० सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ० विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ० साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ० अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

विद्या परिषद् की 59वीं बैठक



विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा० सदस्यगण।

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

दिनांक 08 जून, 2019



जेओबी० जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरैया सया, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र '229) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र 1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र 053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



दिग्म्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत (परीक्षा केन्द्र 063) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र .079) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



काइस्ट चर्च कालेज,
कानपुर
(परीक्षा केन्द्र .010)
पर
परीक्षा देते
हुए
परीक्षार्थी



मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र .053) पर परीक्षा देते
हुए परीक्षार्थी





राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत (परीक्षा केन्द्र '063) एवं धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



नेहरु महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र '538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

11 जून, 2019

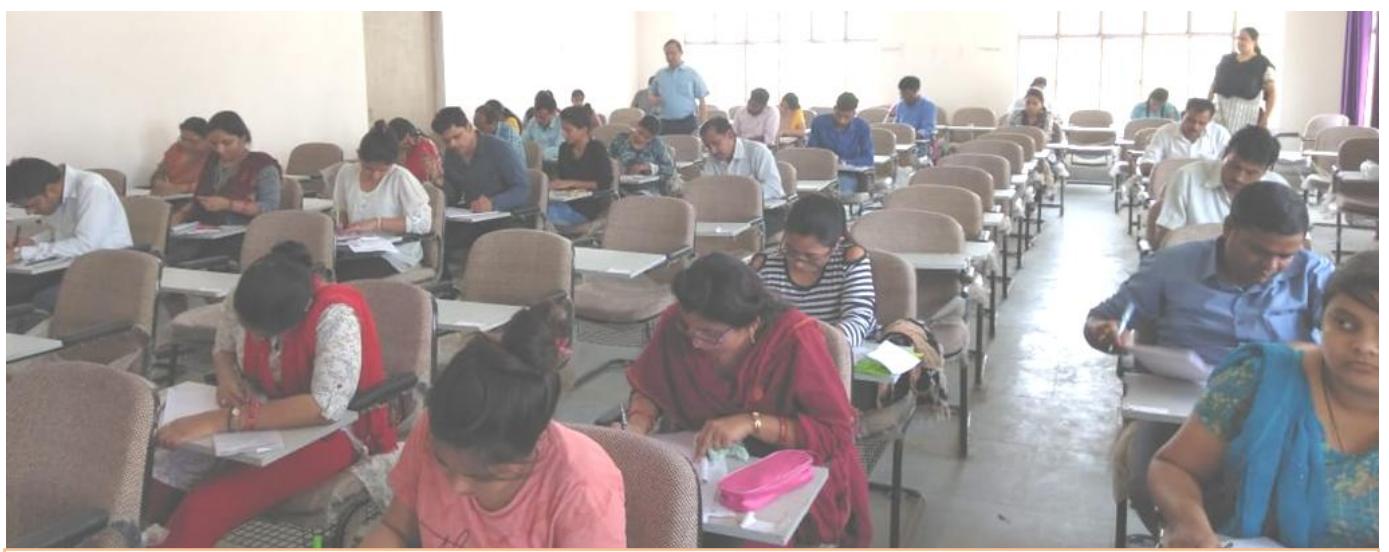


विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का ओवर किया निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून- 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने दिनांक 11 जून, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो० सिंह ने कक्षावार निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।

प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी



जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '633) पर परीक्षा देते हुए



धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001) एवं
मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर
(परीक्षा केन्द्र '053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी





राजनीतिक वजूद के लिए त्रिभाषा पर हंगामा

विविधताओं के बावजूद भारत एक है, देश भर में करीब 1500 भाषाएँ बोली जाती हैं, प्रकृति की देन है भाषा

मुख्यमंत्री शिवराज, प्रदेशी



जागरण विमर्श

- उत्तर प्रदेश राज्यपाल टंडन मुकु शिवराज के बोलते हैं। कामकाज नाथ सिंह ने रखे विचार
- दैनिक जागरण कवर्यालय में त्रिभाषा पर्मूले पर हंगामे का औचित्य प्रियंका घर परिवर्त्या के साथ पाइकूल अकादमिक बैठक में कही।

इस बार वर्षा का ऐडो वा :- त्रिभाषा पर्मूले पर हंगामे का औचित्य।

देश की प्रकृति में ही त्रिभाषा

अंतिम बवता ने कहा कि भारत की प्रकृति में ही त्रिभाषा है। हम अपनी

मातृभाषा में खोचते हैं, कामकाज की भाषा में बोलते हैं और लिखते हैं। विविधता में भी छक्का है। भाषा तो प्रकृति की देन है। हमारे यहां करीब 1500 भाषाएँ बोलती जाती हैं। हमने बड़े देश में संचार के लिए भाषा का महत्व अधिक है। दरअसल हमसे ही एक-दूसरे से संकर्क और बहतर



गो, कामकाज नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राज्यपाल टंडन मुकु शिवराजालय।

उत्तर प्रदेश राज्यपाल टंडन मुकु शिवराजालय के लिए एक वार्षिक बैठक में रहे। गोरखपुर विश्वविद्यालय, आरखड़ केवीय विश्वविद्यालय और फूर्म के कार्यपरिषद सदस्य के रूप में भी संभाल रहे। उन्होंने 14 पुस्तकों की लिखी है।

इसके अलावा उनके 60 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। पुणे की डेक्कन एसोसिएशन

और जयोत्साकर ने करीब 2014 में उत्तर प्रदेश के लिए सम्मानित किया है। गो,

सिंह ऊरल इन्डियानेशन और अन्य बड़ियां साहित्य जियोसाहित्य के महामार्गी भी हैं।

संचार स्थापित होता है। बैहतर संचार

स्थापित करने का भाषा ही गोकुल माध्यम है। ऐसे में त्रिभाषा पर्मूले पर हंगामे का कोई अंतिम नहीं बनता। वर्ष 2011 के जनगणना का हताता देते हुए गो, सिंह ने कहा कि देश में 50 करोड़ लोग त्रिलोकीय हैं और 10 करोड़ लोग उथे आसानी से

अतिथि परिचय

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह मुलस्तोप से बनिया के बर्थोड़ा गांव निवासी है। प्रारंभिक शिक्षा बहिस्ता से छाता रही। गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक-एवग्राहक एवं उत्तरी और दक्षी राज्यों के जाति विवरण। 1982 में डॉ. फेलोशिप के लिए एक वार्षिक जननी में रहे। गोरखपुर विश्वविद्यालय, आरखड़ केवीय विश्वविद्यालय और फूर्म के कार्यपरिषद सदस्य के रूप में भी संभाल रहे। उन्होंने 14 पुस्तकों की लिखी है। इसके अलावा उनके 60 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। पुणे की डेक्कन एसोसिएशन

और जयोत्साकर ने करीब 2014 में उत्तर प्रदेश के लिए सम्मानित किया है। गो,

सिंह ऊरल इन्डियानेशन और अन्य बड़ियां साहित्य जियोसाहित्य के महामार्गी भी हैं।

अभी केवल मांगी जा रही है सुध

अंतिम बवता ने शिक्षा के क्षेत्र में त्रिभाषा

संबोधी कर्ता को लोग भी शान्त हैं। उन्हें

शांत ही लगा चाहिए। वह स्वतः अपना

स्वयं बना ले गी। सुधीरी को बात वह है कि अब राष्ट्र के दृश्य जैसा विरोध नहीं दिख सकता है।

कि भारत में भाषा-शिक्षण से संबंधित नीति है। 1968 की गोर्टीय शिक्षा नीति का विभाषण पर्मूले की भावना यह है कि अपनी मातृभाषा, कामकाज की भाषा हिंदी और अंग्रेजी का ज्ञान हो। प्रो. कर्तुरेंगन यासीन ने यही भी समीक्षा तय किया है, उन्होंने मूल भावना भी कही है कि कर्मीर या कन्कामणी तक देश एक मूल में बद्ध है। विदेशी में तो लोक तीन-तीन चार-चार भाषाएँ ज्ञानते हैं। भाषा पर हंगामे का कोई अंतिम इत्तिहास भी नहीं बनता, क्योंकि अभी तो इस विषय पर बगूमारी भर की जा रही है।

किसी पर कोई भाषा अध्यवा गंभीरता धोयी नहीं जा सकती। मौजूदा सरकार इस मामले में अत्यंत संवेदनशील है, इसकी लिए संबंधित मंत्रालय की तरफ से स्थाफ कर दिया गया है कि सभी पहुंच अपनी रुप हैं। लिंगी भाषी जनवों के लोग भी शान्त हैं। उन्हें शांत ही लगा चाहिए। वह स्वतः अपना स्वयं बना ले गी। सुधीरी को बात वह है कि अब राष्ट्र के दृश्य जैसा विरोध नहीं दिख सकता है।



मुक्त विद्यालय

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

12 जून, 2019

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



उपर्युक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्रा जून- 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या जांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। भीषण गर्मी को देखते माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने की सभी को निर्देशित किया। केन्द्राध्यक्षों की निर्गानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '1044) पर परीक्षा देते हुए



दिग्म्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत (परीक्षा केन्द्र '063) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जे०बी० जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



विकमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '011) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



काइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '010) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



४म^व समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र '538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र '090), हिन्दु कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र '030) एवं

बिपिन बिहारी पी.जी. कालेज, झाँसी (परीक्षा केन्द्र '041) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र '079) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



टी.डी. काजेज, जौनपुर (परीक्षा केन्द्र '036) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '024) एवं राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कालेज, मीरगंज बरेली (परीक्षा केन्द्र '091) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



मुक्त विद्यालय

News Letter

उत्तर प्रदेश राजसीर्वि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

13 जून, 2019



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ०प्र० राजसीर्वि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून- 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने दिनांक 13 जून, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो० सिंह ने कक्षावार निरीक्षण किया।

आज बी.बी०ए०, बी०सी०ए०, एम०एस०सी० पत्रकारिता, बी०ए०, एम०ए०, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर ओमजी गुप्ता, प्रो० सुधाशुं त्रिपाठी एवं डॉ० विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



विश्वविद्यालय
के
सरस्वती परिसर स्थित
परीक्षा केन्द्र
का
औचक निरीक्षण
करते हुए
माननीय कुलपति
प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



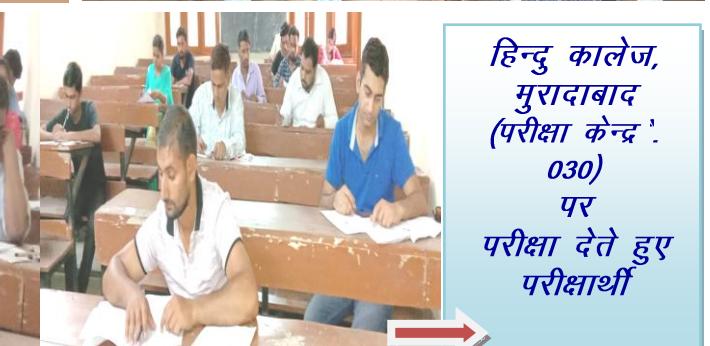
काइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र ०१०) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र ०१९) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



टी.डी. काजेज, जौनपुर (परीक्षा केन्द्र ०३६)
पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी





जे०बी० जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



DMR समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र '079) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



भारतीय महाविद्यालय, फरुखाबाद (परीक्षा केन्द्र '012) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '223) पर परीक्षा देते हुए



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '633) पर परीक्षा देते हुए



बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



S-090



S-1077

**वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र '090) एवं
रमा जैन कन्या महाविद्यालय, निजीबाबाद, बिजनौर पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी**



**नेहरू महाविद्यालय,
ललितपुर
(परीक्षा केन्द्र '538)
पर परीक्षा देते हुए
परीक्षार्थी**

**राजेन्द्र प्रसाद डिग्री
कालेज, मीरगंज
बरेली
(परीक्षा केन्द्र '091)
पर परीक्षा देते हुए
परीक्षार्थी**





हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस



वर्ष: 10 अंक: 75 प्रवागतज, शुक्रवार 14 जून 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 हय्या

सच का आधार ...

पुलियामा हमले के बाद आतंकी समूहों पर कर्रवाई से ...

उमरे मुख्यालय में श्रीएफसी कार्य के प्रगति की ...

डेढ़ प्रत्य लोग ही मारत से विरय कर्प ...

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज

प्रयागराज, शुक्रवार, 14 जून 2019

2

मुक्त विवि की परीक्षाओं का कुलपति व केन्द्राध्यक्षों ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्यि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जून 2019 की परीक्षायें पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। जिसका कुलपति एवं केन्द्राध्यक्षों ने निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्राप्त: 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है।

गुरुवार को बीबीए, बीसीए, एमएससी पत्राकारिता, बीए, एमए, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा



निरीक्षण करते कुलपति

तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर ओमजी गुप्ता, प्रो.सुधाशुं त्रिपाठी एवं डॉ.विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा

व्यवस्था में लगे रहे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरुवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

किया तथा केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



प्रयागराज, यूनिवर्सिटी, 14 जून, 2019

जनसंदेश टाइम्स

नवें सत्त्व, यूनिवर्सिटी 12 रोड १० ब्लॉक ५३ गुलबग़ाँ, यूनिवर्सिटी २००

परख सच की

फ़िल्म के मुख्य कौद रहि
शास्त्री का कार्यकाल बढ़ा - 13

टूट गई लोजपा, नई पार्टी का ऐलान - 15

नई संसदी

जनसंदेश टाइम्स प्रयागराज, यूनिवर्सिटी, 14 जून, 2019

www.jansandeshtimes.net

3

प्रयागराज

मुक्त विवि की परीक्षाओं का कुलपति वं केन्द्राध्यक्षों ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजधानी टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जून 2019 की परीक्षायें पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। जिसका कुलपति एवं केन्द्राध्यक्षों ने निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। मेरठ, गजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है। गुरुवार को बीबीए, बीसीए, एमएससी पत्राकारिता, बीए, एमए, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर ओमजी गुप्ता, प्रो. सुधाशु



निरीक्षण करते कुलपति

त्रिपाठी एवं डॉ. विनोद कुमार गुप्त गुरुवार को विश्वविद्यालय के निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।



मुक्त विवि में योगाभ्यास शिविर 21 जून को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने बताया कि 21 जून को प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में योगाभ्यास शिविर के विशेष आयोजन की तैयारी की जा रही है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरुवार को तैयारियों की समीक्षा की तथा योगाभ्यास शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहाँ से हजारों छात्र-

छात्रावें योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा उत्तीर्ण कर योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इस सत्र से योग में एम.ए प्रारम्भ होने से छात्र-छात्राओं में इस कार्यक्रम के प्रति काफी रुक्खान है। योग शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिये विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया गया है। योग शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिये विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया गया है।



मुक्त विवि में योगाभ्यास शिविर 21 जून को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने बताया कि 21 जून को प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में योगाभ्यास शिविर के विशेष आयोजन की तैयारी की जा रही है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरुवार को तैयारियों की समीक्षा की तथा योगाभ्यास शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहाँ से हजारों छात्र-छात्रावें योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा उत्तीर्ण कर योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इस सत्र से योग में एम.ए प्रारम्भ होने से छात्र-छात्राओं में इस कार्यक्रम के प्रति काफी रुक्खान है। योग शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिये विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया गया है।

योगाभ्यास शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुये योग शिक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष शिविर में 21 जून को प्रातः 6 बजे जन सामान्य को सम्मिलित होना होगा। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ ही छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क प्रवेश दिया जायेगा।

अमरउजाला

महानगर
वर्ष 22 | अंक 359 | पृष्ठ : 18+16
मूल्य : छह रुपये
7 रुपये | 1 देवासित प्रदेश | 20 सेक्षण

प्रयागराज
शुक्रवार, 14 जून 2019

सियासत राह का मिशन, जोड़ेंगे 2.20 करोड़ नए सदस्य...12

उत्तर प्रदेश

अमरउजाला प्रयागराज

युवा Youth

amarujala.com

6

मुक्त विवि में योगाभ्यास शिविर 21 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर 21 जून को विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य विज्ञान विद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल के अनुसार 21 जून को सुबह छह से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति ने लिया परीक्षा केंद्र का जायजा

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं प्रदेश के 139 केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं। बृहस्पतिवार को मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सारस्वती पारस्पर स्थित परीक्षा केंद्र का जायजा लिया। भीषण गमी के मददनजर उन्होंने केंद्र में पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराई और परीक्षाधर्थियों से भी बातचीत कर जानने का प्रयास किया कि उन्हें कोई समस्या तो नहीं है।



मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

13 जून, 2019

CIQA के अन्तर्गत नैक (NAAC) टीम के विश्वविद्यालय भ्रमण की तैयारियों पर विचार विमर्श

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु माननीय कुलपति जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों की बैठक की दिनांक 13 जून, 2019 को अपराह्न 12:15 बजे सरस्वती परिसर स्थित बैठक कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की।

बैठक में प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, प्रभारी, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्रीमती सीमा सिंह, दिलीप त्रिपाठी, राजेश पाठक एवं कुलसचिव, डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।



विश्वविद्यालय में (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

14-6-2019



विश्वविद्यालय में (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।



मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

14 जून, 2019



dkyhpj.k fMxzh dkyst] y[kuJ^ esa ijh{k k dU nz dk rkSpd fujhf.k.k djs gqq, ekuuh; dqyifc izksO dkes'oj ukf k flag th

कुलपति जी ने किया लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून— 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार 14 जून, 2019 को कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पर्स्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।



कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का ओचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '223) पर परीक्षा देते हुए



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '633) एवं धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ (परीक्षा केन्द्र '001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '019)



मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र '053) पर परीक्षा देते हुए



रमा जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

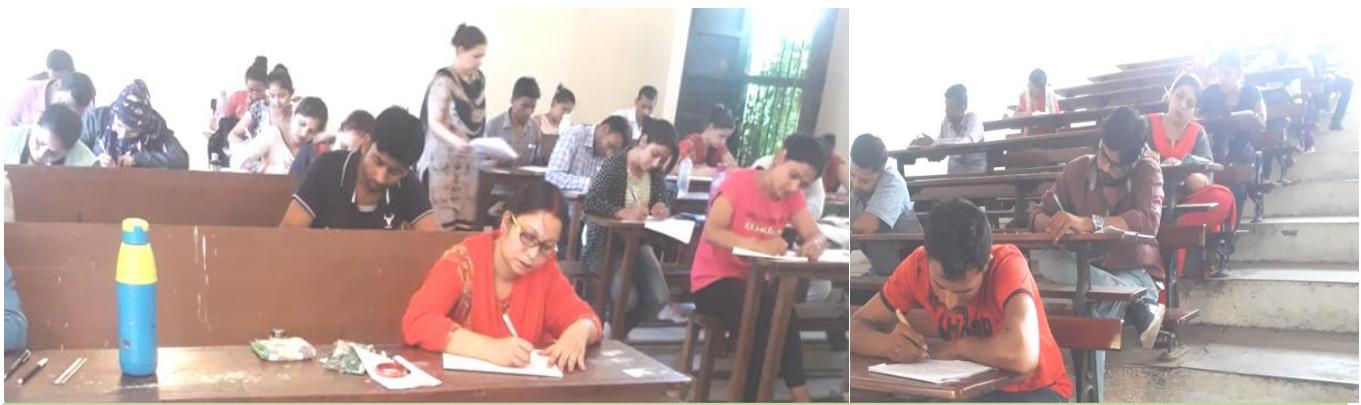


श्री जगदम्बा महाविद्यालय, सुलतानगढ़, फतेहपुर (परीक्षा केन्द्र '698) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



काइस्ट चर्च कालोज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '010) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी





बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कालेज, मीरगंज बरेली (परीक्षा केन्द्र '091) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



हिन्दू कालेज, सुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र '030) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



श्री रमाशंकर बालगोपाल महाविद्यालय,
नसीरपुर, देवकली, गाजीपुर
(परीक्षा केन्द्र '851)
पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



टी.डी. काजेज, जौनपुर
(परीक्षा केन्द्र '036)
पर परीक्षा देते हुए
परीक्षार्थी



प्रधानमंत्री, सरकारी, 13 जून, 2019

जनसंदेश लाइम्स

बंगल नगर, बुक्का वडा, ३०, वर्ग ५, जल ८०, पुणे ४११००८

संसिन में डोटेटियाई इन्वर्टर से मात्र

20 लाख डॉलर की बजटी - 11

परख सच की

बंगाल तों एहाना है तो योलला होणा यांवला - 15



www.jansandeshlimes.com

जनसंदेश लाइम्स १५ जून, २०१९ - १५ जून, २०१९

4

प्रयागराज



मुक्त विवि के कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। ठत्तर प्रदेश राजसिंह टप्पडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। जिसके क्रम में कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का निरीक्षण किया।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का कक्षवार निरीक्षण किया और ठन्होने भीषण गमी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शोतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या जांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षायें आयोजित की जा रही हैं।



केन्द्र का निरीक्षण करते कुलपति

इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर ठड़कादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार को डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा

तथा योग आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।



हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

पर्याप्ति : 10 | प्रकाशन : 76 प्रयागराज, लखनऊ 15 जून 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया



सच का आधार ...

दजानाम : छाना लाने के तुरंत खाट कर सकते हैं ...

ब्रम्मूँ कर्मीर पर राज करने वाले ...

तेलुगुर ने करत का समान नहीं करने के लिए ...

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज

प्रयागराज, लखनऊ, 15 जून 2019

3

मुक्त विवि के कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजधानी टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की परीक्षाओं के संकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण हुग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। जिसके क्रम में कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का निरीक्षण किया।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का कक्षवार निरीक्षण किया और उन्होंने भोपण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बैरली, गोरखपुर, अयोध्या झासी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी आयोजित की जा रही है। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर डाकादाल एवं



केन्द्र का निरीक्षण
करते कुलपति

प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। गैरतलब है कि शुक्रवार को डिल्लोमा एवं मातकोत्तर डिल्लोमा तथा योग आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।



प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जी.एस.ए. कालेज ऑफ एजेकेशनल, महुआखेड़ा, फतेहाबाद रोड आगरा (परीक्षा केन्द्र '1460) पर परीक्षा



श्री रतिराम महाविद्यालय, बरसाना रोड, मथूरा (परीक्षा केन्द्र '450) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



फैज-ए-आम मार्डन डिग्री कालेज, मथूरा (परीक्षा केन्द्र '228) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



सुधाकर महिला पी.जी. कालेज, वाराणसी (परीक्षा केन्द्र ६८७) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



ज्ञातपीदं बससमहम् विकमहतमम् दक्षं जग्मवीदवसवहलं भंजीते (परीक्षा केन्द्र १४९३) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



टी.डी. काजेज,
जौनपुर
(परीक्षा केन्द्र ०३६)
पर
परीक्षा
देते हुए
परीक्षार्थी



इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र ०१९) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



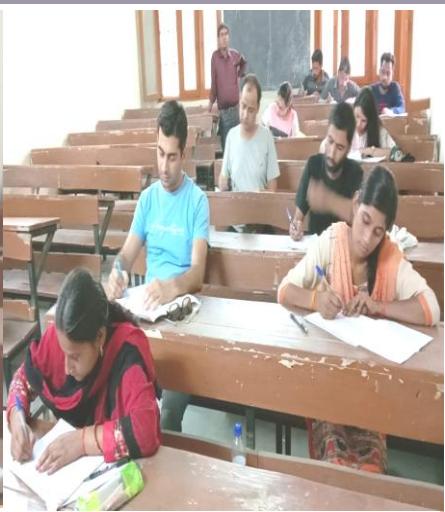
रमा जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



जोधपुर जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र '229) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



हिन्दु कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र '030) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर में स्थित परीक्षा केन्द्र पर विजिट करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय, डॉ कविता त्यागी एवं (परीक्षा केन्द्र '053) पर परीक्षा देते हए परीक्षार्थी



सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ में स्थित परीक्षा केन्द्र पर विजिट करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय, डॉ० कविता त्यागी एवं (परीक्षा केन्द्र '001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी



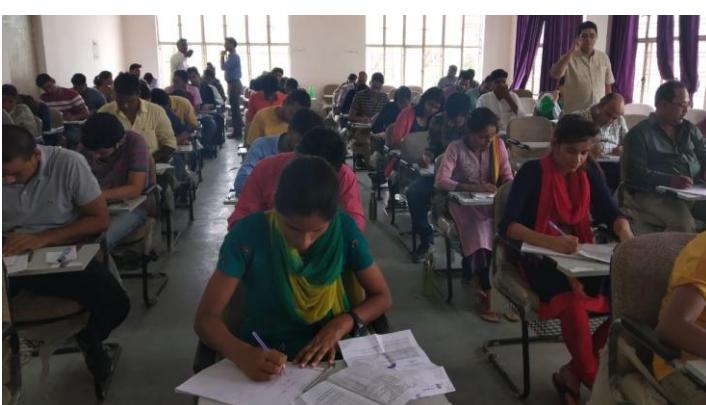
बशीर खाँ महिला महाविद्यालय, जमानिया, गाजीपुर (परीक्षा केन्द्र '1349) एवं पी.जी. कालेज, गाजीपुर (परीक्षा केन्द्र '034) में स्थित परीक्षा केन्द्रों पर विजिट करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय, डॉ० सी०क० सिंह तथा परीक्षा देते हए परीक्षार्थी



61



229



005



हिन्दुस्तान

तरवरी को चाहिए नया जरिया

दिवाली, 19 जुलाई 2019, प्रशासनात्मक, खेड़े प्रॉटेक्ट, 21 संस्करण, लाल टैलरज

www.livehindustan.com

रुप 10, अंक 143, 20 पृष्ठ, भूमि ₹ 15.00 वा ₹ 26.00 वार्षिक सदस्य (सिंक्लिप), लाल टैलर वा डिवाली, लिंग लाल 2019

प्रधानमंत्री

एनएनआईटी ने हास्टलकाट करताया जा रहा दोगा विविधाय, दिप्तिआईटी ने हास्टलकाट करताया जाता है दोगा के पासटे प्रॉटेक्ट में बहुत अधिक

दिवाली - दूसरा - ५ जूलाई - ०८-०९

मोम की पिण्याका

अलिलोने हिंदूप्रतीक लीजा वी लोक से करी दीवाना लाल के लैला तुम्हारा लूटिला ते लालाई है।

पृष्ठ 20



इंजीनियरिंग के छात्र भी पढ़ रहे हैं योग

प्रधानमंत्री | निज संचारदाता

शरीर के साथ शारीरिक ट्रेनिंग के मरियाक को निरोग बनाने के लिए योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन्हींने संस्थानों में इंजीनियरिंग के छात्रों को योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कहीं सपाह में एक बार का प्रशिक्षण शिवर चलता जाता जा रहा है। तो उन्हींने को संस्थानों में योग की प्रशिक्षण की परीक्षण कराई जाती है। जो उनके सेमेस्टर परीक्षा में ग्रेडिंग के रूप में अंकित रहता है।

एप्प-एप्पआईटी छात्र विविधिक केंद्र के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि संस्थान में हास्टलकाट प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें तीन गतर्च और नीं गुरुव छार्टरस्टेल हैं। एक सपाह एक हास्टल में योग प्रशिक्षण दिया जाता है। शाम को प्रेरोक दिन एक घंटे योग सिखाया जाता है। इसके साथ सुबह में इंडीशी वार्ष में योगाभ्यास करता जाता है। ट्रिप्टिआईटी के योगाओं पंकज रमेश ने बताया कि संस्थान में प्रत्येक शिवर चलता को तीन घंटे के लिए योग प्रशिक्षण छात्र-छात्रों को दिया जाता है। पिछले वर्ष से यह योग प्रशिक्षण शुरू हुआ है। पाले सेमेस्टर के तकरीबन 35 छात्रों ने योग प्रशिक्षण लिया। हास्टल छात्रों को योगाभ्यास, प्राणायाम और बैसिक जागरी दी जाती है। छात्रों के सेमेस्टर में योग के लिए जाते हैं।



एप्प-एप्पआईटी में योगाभ्यास करते इंजीनियरिंग के छात्र।

इविवि:21 को शिक्षक संग छात्र करेंगे योग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पांचवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जुन को सुबह छह बजे प्रारंभ अधिस्कृत के समाने फॉर्म लॉसिटा ग्राउंड पर योगाभ्यास होगा। राजस्टर प्रो. एके शुक्ल की ओर से जारी सूचना के अनुसार कार्यक्रम कुलपाति प्रो. आरएल हांगू भी उपस्थित होंगे। इस दोरान एप्प-एसएस, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र योग करेंगे।

मुक्ताकाशी मंच पर प्रशिक्षु करेंगे योग

प्रधानमंत्री | विश्व योग दिवस 21 जुन को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के मुक्ताकाशी मंच पर प्रशिक्षु योग करेंगे। योग दिवस पर अन्य लोग चंडे की नीचे योग करेंगे। मंच पर वही प्रशिक्षु योग करेंगे जो पिछले छह माह से केंद्र की ओर से चलाई जा रहे थे। शिवर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। विश्व योग दिवस उपलक्ष्य में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से पांच

दिनों के लिए स्पेशल योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योग प्रशिक्षण उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र व आट अफ लिंगिंग के संयुक्त तत्वावधान में सुबह पाच से आठ बजे तक करता जा रहा है। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक द्वंद्जीत श्रेवर ने बताया कि योग दिवस पर योग शिक्षिका डॉ. विजित योगेश्वर की अगुवाई में योग किया जाएगा।



राजस्टर द्वारा योग करते शिक्षक।

मुक्त विवि में योग पर पीजी तक का पाठ्यक्रम

प्रधानमंत्री | निज संचारदाता

प्रधानमंत्री के लिए ही नहीं होनी चाहिए बल्कि इस साधन का लाभ सभाज और देश की भी मिलना चाहिए कुलपाति ने बताया कि यूजीसी ने इस वर्ष से लेकर प्रारम्भिक तक के पाठ्यक्रम में संचालन कर रहा है। इस सत्र से योग विषय से एमए. के दाखिले के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। यूजीसी में अब तक योग पाठ्यक्रमों आठ द्वाजार से अधिक छंद्जीत श्रेवर ने बताया कि योग दिवस पर कैरेन सिंह ने बताया कि योग की साधना के बल

री ही है। योग विषय से एमए पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने की मंजूरी दी है। जबकि पूर्व से ही यूजीसी में योग विषय में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और पीजी.डिप्लोमा की पढ़ी है चल रही है।

हिन्दुस्तान

तरकी को वाहिए नया नजरिया

प्रकाशन 19 जूलाई 2019 | प्रकाशनात्मक 200 | पृष्ठ 21 | टेलरिया, बड़ा टेलरिया

www.livehindustan.com

पृष्ठ 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 13



मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्णीत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

21 जून, 2019



अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून, 2019 योग: कर्मसु कौशलम्



उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समय- प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक



दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी ।

मुविवि में विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर योग परामर्शदाता डॉ० अमित कुमार सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया । कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की साथ ही शिविर में उपस्थित सभी को योग किया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु मा० कुलपति महोदय ने संकल्प दिलाया ।

शिविर में विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ० मीरा पाल ने किया । वाचिक स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता ने किया ।

विशेष योगाभ्यास शिविर की कुछ झलकियाँ

30 प्र० राजसि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

के तत्वाधान में
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास

दिनांक - 21 जून 2019, समय - प्रातः 6:00 बजे
स्थान - गंगा परिसर, 30प्र० राजसि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

**विशेष सूचना - कोई भी नागरिक योगानुकूल वेष-भूषा धारण करके
इस कार्यक्रम में निःशुल्क प्रतिभाग कर सकते हैं।**



शिविर में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिक





शविर में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिक



शविर में

उपस्थित विश्वविद्यालय के
निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों,
अधिकारियों के साथ
छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय
नागरिक





शविर में उपस्थित विश्वविद्यालय
के निदेशकों, शिक्षकों,
कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ
छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय
नागरिक





कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ मीरा पाल एवं दीप प्रज्ज्वलन करते हुए मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी
तथा साथ में निदेशकगण व कुलसचिव



वन्देमातरम् प्रस्तुत करते हुए श्री भरत जी एवं शत्रुघ्न जी ।



मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्वालय के सम्पत्ति अधिकारी
डॉ अनिल सिंह भदौरिया एवं वाचिक स्वागत करते हुए निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० जी०एस० शुक्ल ।





मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक— कुलपति

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पीड़ामुक्त, बीमारीमुक्त, स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिकों और चिकित्सा शास्त्रियों ने भी एक स्वर से स्वीकार किया है कि आज मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक ही नहीं बल्कि अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था में योग विज्ञान को प्रमुखता से सम्मिलित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रो० सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है, और आगे भी निरन्तर योग अभ्यास सत्र चलायें जायें।



शिविर में उपस्थित सभी को योग किया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु मा० कुलपति महोदय ने संकल्प
दिलाते हुए मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह



धन्यवाद ज्ञापन
करते हुए
कुलसचिव
जा. अरुण कुमार गुप्ता





मुक्त विद्यालय

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्णीत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

21 जून, 2019



R

Shot on realme 3 Pro
By Abhishek Singh Babu

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे UPTO राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर कानपुर की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ० अलका वर्मा, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, नोएडा क्षेत्रीय केंद्र ने किया विशाल योगभ्यास शिविर का आयोजन

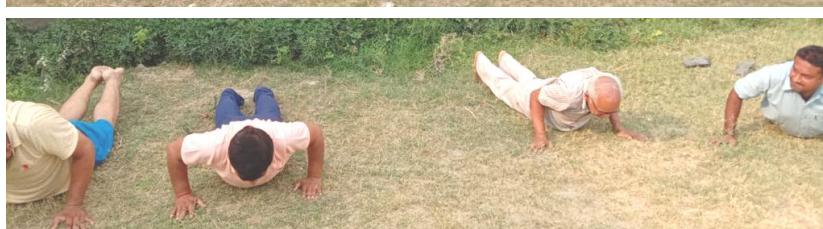
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र नोएडा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर प्रातः 6:00 बजे से 7:30 बजे तक स्वास्थ्यक पार्क, बी ब्लॉक, सेक्टर 62, नोएडा में विशाल योगभ्यास शिविर आयोजित किया गया। यूपीआरटीओयू की क्षेत्रीय समन्वयक, डॉ कविता त्यागी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख श्रीमान् कृपाशंकर जी ने की। उन्होंने योग के इतिहास की चर्चा करते हुए वर्तमान परिप्रेक्षण में व्यष्टि-समष्टि के कल्याण के लिए अत्यन्त उपयोगी बताया और सभी प्रतिभागियों को अपने अमृत वचनों से को अनुग्रहीत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती नीलम मिश्रा, यात्री कर अधिकारी प्रवर्तन, नोएडा ने योग के महत्त्व पर अपने विचार प्रकट किये। विशिष्ट अतिथि श्रीमान् अनिल जी, संयुक्त संगठन मंत्री सेवाभारती संयुक्त क्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड तथा दिनेश जी संघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नोएडा महानगर रहे। इस अवसर पर दो सौ अस्सी प्रतिभागियों ने योग अभ्यास में भाग लिया। योगभ्यास समापन के उपरान्त प्रतिभागियों को अल्पाहार प्रदान किया गया। डॉ त्यागी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहाँ से हजारों छात्र-छात्राएँ योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा करके योग में शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा इस सत्र से योग में एम०ए० कार्यक्रम का आरंभ किया गया है, जिसमें छात्र-छात्राओं की पर्याप्त रुचि बढ़ रही है और प्रवेश ले रहे हैं।



योग शिविर में प्रतिभाग करती हुई गाजीयाबाद की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ कविता त्यागी, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्राएँ

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक, ३० शशि भूषण त्रिपाठी, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें



विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र सन्त तुलसी दास पी.जी. कालेज, सुल्तानपुर एवं ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर पर योगाभ्यास करते हुए शिक्षक एवं छात्र-छात्रायें।

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के अध्ययन केन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र स्वामी कल्याणदेव डिग्री कालेज, बिजनौर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक, डॉ० पूनम गर्ग क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्र सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक, डॉ आर0बी0 सिंह, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें



क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एवं अध्ययन केन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी में एवं क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र नेहरु स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ललितपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक, डॉ० रेखा त्रिपाठी क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्र सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए
कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें



क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक, डॉ० सी०के० सिंह, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

हिन्दुस्टान

तरकी को चाहिए नया नजरिया

संस्कार, 22 जून 2019, प्रकाशन, अध्ययन, 21 दिनांक, लाइ लेस्टर

www.livehindustan.com

पर्व 13, बड़ा 116, 16 फैसलाबाद, कुरु 26.00, अस्सी कुरु 26.00, विजय वाला, 2020



पंकज अद्वानी के लिए

पंकज अद्वानी सुरेश राज, उत्तराखण्ड में देश का दूसरा वर्ष उत्तराखण्ड के लिए लोटा है।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हिन्दुस्टान 0
प्रकाशन • लाइब्रेरी • 22 जून 2019



शुक्रवार को यूपीआरटीयू में योग करते लोग। • हिन्दुस्तान

शिक्षकों-छात्रों और कर्नचारियों ने किया योग

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योगाभ्यास किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। प्रशिक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह के निर्देशन में हुए अभ्यास में डॉ. मीरा पाल, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल,

कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता शामिल हुए।



हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 प्रैंक : 83 प्रकाशन, तिथि 22 जून 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया



चित्र : राष्ट्रपति के अभिभावण में दिल्ला नवे भारत का ...

पिंपराय : योग और एवसर्साइज के लिए टाइम नहीं ...

खेल : योग दिवस पर स्कूली बच्चों ने दी भारतीय टीम ...

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज

प्रयागराज, शनिवार, 22 जून 2019



मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन अपरिहार्य - कुलपति

प्रयागराज। योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पौँडामुक्त, बीमारमुक्त, स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिकों और विकित्स शासियों ने भी एक स्वर से स्वीकार किया है कि आज मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक ही नहीं बल्कि अपरिहार्य है।

यह बाते मुक्त विविध के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश राजधानी टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योगाभ्यास शिविर में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने अगे कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा



व्यवस्था में योग विज्ञान को प्रमुखता से प्रो. सिंह ने कहा कि उ.प्र. राजधानी टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी

भूमिका का निर्वहन कर रहा है और आगे भी निरन्तर योग अभ्यास सत्र चलायें जाय।

विशेष योगाभ्यास शिविर में योग परम्परागत एवं प्रशिक्षण डॉ. अमित कुमार सिंह ने योग की महत्वा को प्रतिपादित करते हुए योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया। शिविर में विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कामचारियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नामियों ने भी योगाभ्यास क्रिया कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीरा पाल ने, वाचिक स्वामत स्वास्थ्य विज्ञान विद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

पायनियर

लापत्र, र्फ रिपोर्ट, राष्ट्र और भौतिक से प्रतिक्रिया

www.dailypioneer.com

आईकल 15 कोई पश्च नहीं
लेता आयुष्मान
विविध-16



राजधानी टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पौँडामुक्त, बीमारमुक्त, स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। विशेष योगाभ्यास शिविर प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर योग परामर्शदाता एवं प्रशिक्षक अमित

कुमार सिंह ने योग की महत्वा को प्रतिपादित करते हुए योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। शिविर में उपस्थित सभी को योग किया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु कुलपति ने संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन डा. मीरा पाल ने किया। वाचिक स्वामत स्वास्थ्य विज्ञान विद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।



योगः कर्मसु कौशलम् www.jagat.com

第10章

चेतना जाग्रत करने का सशक्त
माध्यम है योग : कामेश्वर नाथ

जासं, प्रयागराजः अंतस्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय योग संस्थान एवं दैनिक जागरण के संयुक्त तत्त्वावधान में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में योग की पाठशाला लगी। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश गोर्जिंघ टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने साधकों को योग की महत्ता बताई। कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत् करने का सशक्त माध्यम है। कहा कि भोगवादी संस्कृति के बीच सेहत को दुरुस्त सखने के लिए हर किसी को अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिया।

आयोजन में अमरनाथ सेठ एवं श्रीमती रेखा धोध ने शंखनाद कर ऊर्जा का संचार किया। श्रीमती अनीता चौधरी, अलका श्रीवास्तव, ऊषा साहु, प्रीति श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद शुरू हुई योग की क्रियाओं के बीच गहरे लंबे श्वास, ओम ध्वनि व गायत्री मंत्र ने योग को और ऊंचाई प्रदान की। सूक्ष्म व्यायाम श्रीमती किरन तिवारी ने कराया। ताडासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन,



देनिक जागरण व भारतीय योग संस्थान की ओर से कंपनी दाग में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शभारंभ करते उप राज्यि टंडन मक्तु विधि के कल्पति पो. कामेश्वर नाय • जगण्ण

वज्ञासन, उष्ट्रासन, शिथिलासन,
भुजंगासन, शलभासन, उत्तानपाद
आसन, अर्धहलासन, सिंहसन, हंसी,
नेत्र सुरक्षा, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम,
कपालभाति, भ्रामरी का अध्यास भी
करता। वंशराज सिंह, श्रीमती लक्ष्मी
मिश्रा, विनोद सचदेवा, श्रीमती बीणा
श्रीवास्तव, डा. गीता केसरवानी, आरपी
यू, अश्वनी कालरा, सर्वेश पाण्डेय, कु.
अमृषा पाण्डेय आदि ने साधकों को योग

की विधियां बताकर योग क्रियाएं कराई। इसके साथ साधकों ने ध्यान भी लगाया। इस दौरान योग विचार, योग गीत का भी गायन हुआ।

आयोजन में कु. आद्या गुप्ता, कु. आन्या गुप्ता ने नृत्य की प्रस्तुति दी। सामूहिक प्रार्थना संभी ने योग करने का संकल्प लिया। अध्यक्षता एमएल सिंह यादव ने और संचालन आजाद पार्क केंद्र प्रमुख हनुमान दास गुप्त ने किया।



मुक्त विद्यान

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्णीत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

22 जून, 2019



दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में विश्वविद्यालय के परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति जी ने किया गोरखपुर में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने शनिवार 22 जून, 2019 को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में विश्वविद्यालय के परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो० सिंह ने कक्षावार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो० सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अन्य विषयों आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।



मुक्त विद्या

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

24 जून, 2019



श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर सिंह -सी

कुलपति जी ने किया बलिया में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून— 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही हैं। कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार, 24 जून, 2019 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो० सिंह ने कक्षावार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो० सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अन्य विषयों आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।



परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी



मुक्त विद्या

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 जून, 2019



विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून— 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही हैं। कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार, 25 जून, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। प्रो० सिंह ने कथावार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो० सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पर्स्त हैं।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अन्य विषयों आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।





मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 जून, 2019

CIQA के अन्तर्गत नैक (NAAC) की तैयारियों पर विचार विमर्श

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की टीम के होने वाले भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु माननीय कुलपति जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों की बैठक की दिनांक 25 जून, 2019 को अपराह्न 02:45 बजे सरस्वती परिसर स्थित बैठक कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की।

बैठक में प्रो० पी०पी० दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० आर०पी०एस० यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० पी०के० पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० सुधांशु त्रिपाठी, प्रभारी, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ० विनोद कुमार गुप्ता, उपनिदेशक/एसोशिएट प्रासेफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, एवं कुलसचिव, डॉ० अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।



विश्वविद्यालय में (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।



News Letter

मुक्त चिंतन



उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

29 जून, 2019

U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY PRAYAGRAJ


NATIONAL SEMINAR
ON
Academic Libraries : Strategies for Sustainable Development in ICT Era
June 29, 2019
Organized by : Yagyavalkya Granthalaya and School of Humanities



मुविवि में पुस्तकालय विज्ञान पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 जून, 2019 को सरस्वती परिसर लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'एकेडमिक लाइब्रेरीज़ : स्ट्रेटज़ीस फॉर सस्टेनेबुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इरा' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी तथा विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ०एस०डी०) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० यू०सी० शर्मा रहे। राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

संचालन डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो० आशुतोष गुप्ता ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो० आर०पी०एस० यादव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में डॉ० आर०जे० मौर्या ने प्रकाश डाला। सेवा निवृत्त हो रहे डॉ० टी०एन० दुबे के सम्मान में प्रो० ओमजी गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। अतिथियों ने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका तथा डॉ० टी०एन० दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० सिंह एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकालायाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे के विदाई बेला के अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन ग्रन्थ भेट किया। अभिनन्दन ग्रन्थ के मुख्य सम्पादक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० बी०के० सिंह ने डॉ० टी०एन० दुबे के व्यक्तित्व की विभिन्न आयामों की सराहना की। विश्वविद्यालय की तरफ से कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सदाबहार व्यक्तित्व के धनी हैं। बरेली कालेज से आये डॉ० बी०डी० यादव ने डॉ० दुबे को संघर्षशील साथी बताया।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव एवं मंचासीन माननीय अतिथि



सभागार में उपस्थित प्रतिभागी एवं स्रोतागण।



दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद् प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी तथा विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओएस०डी०) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० यू०सी० शर्मा रहे। राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी



स्वागतगीत प्रस्तुत करती हुई छात्रायें





दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींग के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद् प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी तथा विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ०एस०डी०) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० यू०सी० शर्मा रहे। राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण।



माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो० आर०पी०एस० यादव



राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में प्रकाश डालते हुए डॉ आर०जे० मौर्या



मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं डॉ० टी०ए० दुबे के गुरु प्रो० यू०सी० शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराते थे आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये हैं। ऐसे में तकनीकी के सही उपयोग की और सूचनाओं की विश्वसनीयता तथा प्रमाणिकता बनाये रखने की चुनौतियां हमारे सामने हैं। प्रो० शर्मा ने डॉ० टी०ए० दुबे को विलक्षण प्रतिभा का धनी बताया। डॉ० दुबे न केवल छात्र के रूप में बल्कि शिक्षक एवं पारिवारिक मित्र के रूप में भी लोगों की मदद करने के लिये हमेशा अवल रहते हैं।





विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ०एस०डी०) श्री राजवीर सिंह राठोर जी, तथा मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० यू०सी० शर्मा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के मा० कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी



विश्वविद्यालय के मा० कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशकगण।



राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।

मुविवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ टी०एन० दुबे का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान



सेवा निवृत्त हो रहे डॉ टी०एन० दुबे के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करते हुए प्रो० ओमजी गुप्ता



We The Member Of
Felicitation Committee
Colleagues, Friends,
Students,
Well Wishers and
Relatives Solicit
Your Gracious
Presence in the
Felicitation Programme
on
The Occasion of Retirement
of
Dr. Tripurari Nath Dubey
University Librarian
U.P. RAJARSHI TANDON
OPEN
UNIVERSITY PRAYAGRAJ
Date & Time :
Saturday, 29 June, 2019 at 10:00AM

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ टी०एन० दुबे के विदाई बेला के अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र एवं सृति चिन्ह प्रदान करते हुए
मा० कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह एवं अन्य अतिथिगण।



डॉ टी०एन० दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।



पुस्तकालायाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे के विदाइ बेला के अवसर पर उन्हें अभिनन्दन ग्रन्थ भेंट करते हुए मारु कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह।



कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए अतिथि।



प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे

विश्वविद्यालय की तरफ से कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सदाबहार व्यक्तित्व के धनी हैं।



डॉ बी०के० सिंह

अभिनन्दन ग्रंथ के मुख्य सम्पादक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ बी०के० सिंह ने डॉ टी०एन० दुबे के व्यक्तित्व की विभिन्न आयामों की सराहना करते हुए।

मुविवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ टी०एन० दुबे का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान





डॉ टी०एन० दुबे जी को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि, शिक्षक एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण।



डॉ टी०एन० दुबे जी को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।



डॉ टी०एन० दुबे जी को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय

के निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।



डॉ टी०एन० दुबे

सेमिनार के संयोजक डॉ टी०एन० दुबे ने अपने सम्मान में आयोजित समारोह में कहा कि आज का यह क्षण बहुत ऐतिहासिक है जब उनके गुरु प्रो० यू०सी० शर्मा एवं उनके कई छात्र समारोह में उपस्थित हैं। उन्होंने शिक्षा को अपनी पूँजी बताते हुये कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जरूरतमंदों को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे।



श्री राजवीर सिंह राठौर

पुस्तकालय समाज की अकदामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले होना चाहिये—श्री राठौर
विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ०एस०डी०) श्री राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों हेतु उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिये। पुस्तकालय समाज की अकदामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले होना चाहिये तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि डॉ टी०एन० दुबे सेवानिवृत्ति के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। उन्होंने उनकी कार्यशैली की सराहना की।





प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव

शिक्षा एवं समाज के हित में हो पुस्तकालयों अधिकतम उपयोग— प्रोफेसर यादव

मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव ने कहा कि मानवीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुये पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में नियुक्तियां बहुत कम हो रही हैं, ऐसे में इस क्षेत्र के विद्वानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। शोध के क्षेत्र में विकास के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि शोध पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त विद्वान आचार्यों के अनुभवों का लाभ शोधार्थी एवं समाज को मिलना चाहिये। प्रो० यादव ने डॉ० टी०एन० दुबे की प्रभावशाली व्यक्तित्व, विषय के क्षेत्र में उनकी विलक्षण क्षमता एवं उनकी बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की।



प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है— कुलपति

अध्यक्षता करते हुये विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इण्डिया टुमारो अभियान की सराहना करते हुये कहा कि युवाओं को आज कुशल एवं दक्ष बनाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये हमें अच्छे तरीके से टेक्नोलॉजी विकसित करना होगा जिससे युवा हुनरमंद बन सके। उन्होंने डॉ० टी०एन० दुबे की लोकप्रिय व्यक्तित्व की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने उनके विदाई समारोह में हुये सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया। कुलपति प्रो० सिंह ने कहा कि डॉ० दुबे ने कैम्पस में ग्रीन एकेडमिक एकटीविटीज के कियान्चयन में सराहनीय योगदान दिया। विश्वविद्यालय में की गयी उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जायेगा।



धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो० आशुतोष गुप्ता



राष्ट्रगान करते हुए माननीय अतिथिगण /



माननीय अतिथिगण

के

साथ ग्रप फोटोग्राफी कराते

प्रतिभागी, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण /



प्रसारण, रोमन, 20 जून, 2019

जनसंदेश टाइम्स

परस्त सत्र की

नई अंती पाल यादि, लैकिन
हम हैं 'टीम बड़ा' टिक्का - 13

काम के इति इतिहास इत्याज जरूरी : आलिया - 13

प्रसारण, वाराणसी, उत्तराखण्ड, भारत | फोन: 91 98381 22200

www.jansandeshtimes.net

जनसंदेश टाइम्स प्रसारण, रोमन, 20 जून, 2019

प्रयागराज

शिक्षा एवं समाज के हित में हो पुस्तकालयों का अधिकतम उपयोग : प्रो यादव

मुविवि में पुस्तकालय विज्ञान पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

प्रयागराज। मानवीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुए पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में नियुक्तियां बहुत कम हो रही हैं, ऐसे में इस क्षेत्र के विद्वानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

यह बातें अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, गीवा के कुलपति प्रसिद्ध सार्थियकीविद प्रो. केदारनाथ सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को हाइएके डिमिक लाइब्रेरीज़: स्टेज्टजीस फार स्टेनब्युल डेवलपमेंट इन आईसीटी इशाह विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. टी.एन दुबे की विदाई समारोह में कही। उन्होंने शोध के क्षेत्र में विकास के लिए सुझाव दिया कि शोध पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त विद्वान आचार्यों के अनुभवों का लाभ शोधार्थी एवं समाज को मिलना चाहिये।

विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों हेतु उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिये। पुस्तकालय समाज की अकड़ामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा



राष्ट्रीय सेमिनार विदाई समारोह में उपस्थित नुख्य अतिथि त अन्य

करने वाला होना चाहिये तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि डॉ. टी.एन दुबे सेवानिवृत्ति के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं डॉ. टी.एन दुबे के गुरु प्रो. यू.सी. शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराते थे आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये हैं। ऐसे में तकनीकी के सही उपयोग की और सूचनाओं की विश्वसनीयता तथा प्रमाणिकता बनाये रखने की चुनौतियां हमारे सामने हैं।

अध्यक्षता करते हुये मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना और वाञ्छनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इण्डिया ट्रॉपारो अभियान की सराहना करते हुये कहा कि युवाओं को आज कुशल एवं दक्ष बनाये

जाने की आवश्यकता है। इसके लिये हमें अच्छे तरीके से टेक्नोलॉजी विकसित करना होगा जिससे युवा हुनरमंद बन सके। उन्होंने उनके विदाई समारोह में हुए सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया और कहा कि विश्वविद्यालय में की गयी उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जायेगा। संचालन डॉ.ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आशुतोष गुप्ता ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो. आरपीएस यादव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में डॉ. आर.जे. मौर्या ने प्रकाश डाला। अतिथियों ने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका तथा टी.एन दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन किया। सेमिनार के संयोजक डॉ. टी.एन दुबे ने कहा कि आज का यह क्षण बहुत ऐतिहासिक है। उन्होंने शिक्षा को अपनी पूँजी बताते हुए कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जरूरतमंदों को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये।



आज नई जर्मी पहन
इंग्लैंड से होगी मिडिट

प्रियंका गुप्ताने में आज इंग्लैंड से भिरता है
विजय का लियार्ड-पा जो जीत की अपार जीत

पुस्तकालयों का समाज हित में इस्तेमाल हो : प्रो. यादव



यूपीआरटीओयू में पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पीएन दूबे के अवकाश प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्पि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को 'एकेडमिक लाइब्रेरीज़: स्ट्रैटजीस फॉर सस्टेनबुल उवलपमेंट इन आईसीटी इरा' विषय पर गष्ट्रीय सेमिनार एवं रिटायर हुए पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. टीएन दुबे का विदाई समारोह हुआ।

मुख्य अतिथि अवधेश पताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति प्रो. केदारनाथ सिंह यादव ने कहा कि मानवी संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुए पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि राजभवन लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों के लिए उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों को बेहतर उपयोग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. टीएन दुबे रिटायरमेंट के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। उन्होंने

मुविवि में हुआ सेमिनार, पुस्तकालयाध्यक्ष का रिटायरमेंट पर हुआ सम्मान

डॉ. दुबे की कार्यशैली की सराहना की। मुख्य वक्ता प्रो. यूसी शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना एवं वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, स्वागत प्रो. आरपीएस यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आशुतोष गुप्ता ने किया। सेमिनार में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। विभिन्न तकनीकी सत्रों में डॉ. बीके सिंह, प्रो. एमपी सिंह, डॉ. निरंजन सिंह, डॉ. वेदानन्द त्रिपाठी, डॉ. बीबी यादव, डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी आदि ने विचार व्यक्त किए।



युवा जागरण

दैनिक जागरण

प्रयागराज, 30 जून 2019
www.jagran.com

अब मुक्त विवि से करें होम साइंस में परास्नातक

जारी, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से बैचलर ऑफ साइंस इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, मास्टर ऑफ साइंस इन फूड एंड न्यूट्रिशन तथा गृह विज्ञान में आतंकोत्तर कार्यक्रम में नामांकन शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने इसे लागू कर दिया है।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि यूजीसी के डिस्टेंस एजेक्यूशन व्यूरो के 27 जून के पत्र के आधार पर इस आयोग का निर्णय लिया गया। उहाँने बताया कि वह विश्वविद्यालय छात्रों के व्यापक हित में ऊपरियों के पाठ्यक्रम तैयार करा चुका है। विश्वविद्यालय के तरफ से इन कार्यक्रमों की मान्यता के लिये आवेदन यूजीसी में लंबित था। इन विषयों में आतंक तथा आतंकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए छात्रों की मांग भी थी।

पुस्तकालयों का हो अधिक उपयोग

जारी, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संवर्तक तत्वावधान में शनिवार को 'एकेडमिक लाइब्रेरीज़ : स्टेटजीस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन आइसीटी इंझ' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. टीएन दुबे को विदेशी भी दी गई। मुख्य अतिथि अवैष्य प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति प्रो. केदारनाथ सिंह यात्रा ने कहा कि पुस्तकालयों का योजना एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। विशेष अतिथि

राजभवन लखनऊ के विशेष कार्यालयकारी राजवीर सिंह गठोर्ने ने कहा कि संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिए। मुख्य अतिथि आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. यूसी शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने कई चुनौतियाँ हैं। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं की संकलित करना और वाईफ़ाई लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आशुतोष गुप्ता ने किया।

SUNDAY | 30.06.2019

उत्तर प्रदेश

amarujala.com

अमरउजाला



आज नई जर्सी पहन
इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

स्टोर

दिव्य काय मूलाने में ज्ञान इम्प्रेस सेटिंग्स
भारत का सौरीयांग्रेज में ज्ञान की जागरा रख

अमरउजाला

प्रयागराज युवा Youth - ३३५ ३३५ ३३५ ३३५

amarujala.com

11

प्रयागराज | गोपी, 30 जून 2019

मुक्त विवि से होम साइंस, न्यूट्रिशन में करें पीजी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र से बैचलर ऑफ साइंस इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, मास्टर ऑफ साइंस इन फूड एंड न्यूट्रिशन एवं गृह विज्ञान में परास्नातक कार्यक्रम में नामांकन शुरू हो गया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के डिस्टेंस एजेक्यूशन व्यूरो के 27 जून को पत्र के आधार पर मुक्त विश्वविद्यालय में तीन नए पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय छात्रों के हित में इन विषयों के पाठ्यक्रम तैयार करा चुकी है। यह बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय की ओर से इन कार्यक्रमों को मान्यता के लिए आवेदन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में लंबित था। इन विषयों में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने की छात्रों ने मांग की थी जो अब पूरी हो गई है। गौरतलब है कि इसी वर्ष यूजीसी ने परास्नातक में उर्दू एवं भूगोल कोर्स की मान्यता दी है जिसमें प्रवेश चल रहा है। वर्तमान जुलाई सत्र के प्रवेश की भी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

राजर्षि टंडन
पाठ्यक्रम में
तीन नए
पाठ्यक्रम शुरू



प्रशासन, नीति, समाज, 30 जून, 2019

जनसंदेश साइंस

परख सच की

लाल नगर, कुमाऊँ १३, लैंड ५, लैंड ८, लैंड १०, कुमाऊँ १३
नवी जर्ही पाल अडी, लैंडेन
हैन है 'टीम नगूँ' रिपोर्ट - १३

काम के पाति ईमानदार हैं जानकारी : आलिया - 15



जनसंदेश साइंस | प्रशासन, नीति, समाज, 30 जून, 2019

3

प्रयागराज में विद्युत



मुविवि से करिये होम साइंस एवं न्यूट्रिशन में स्नातकोत्तर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वर्तमान सत्र से बैचलर ऑफ साइंस इन हूमन न्यूट्रिशन, मास्टर ऑफ साइंस इन फूड एंड न्यूट्रिशन तथा गृहविज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामांकन प्रारम्भ हो गया है। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने देते हुए बताया कि यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने लिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के डिस्ट्रीन एजुकेशन ब्यूरो के 27 जून 2019 के पत्र के आधार पर इस आशय का निर्णय लिया गया। यह विश्वविद्यालय छात्रों के व्यापक हित में उक्त विषयों के पाठ्यक्रम तैयार करा चुका है, जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय की तरफ से उक्त कार्यक्रमों की मान्यता के लिये आवेदन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में लम्बित था। इन विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने के लिये छात्रों की मांग थी, जो पूर्ण हो गयी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्नातकोत्तर में उर्दू तथा भूगोल कोर्स की मान्यता दी जिसमें प्रदेश चल रहा है।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

ताजीकी की खबरें जल्दी की खबरें

प्रकाशन की तिथि: 20 जून 2019 | पृष्ठा: 19 | जागरूकता के लिए जल्दी की तिथि: 22

www.livhindustan.com

हिन्दुस्तान | 44.0° 31.2° ग्रेड 05.56

प्रयागराज

फूड एंड न्यूट्रीशन साइंस से करें पीजी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए सत्र में अभ्यर्थी फूड एंड न्यूट्रीशन साइंस से परास्नातक कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम के संचालन के लिए यूजीसी से शनिवार को मुक्त विश्वविद्यालय को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही बैचलर ऑफ साइंस इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, एवं गृह विज्ञान विषय के संचालन की मंजूरी दी गई है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के तरफ से उक्त पाठ्यक्रमों की मान्यता की मांग काफी दिनों से यूजीसी में लंबित थी।

शिक्षा एवं समाज हित में पुस्तकालय अधिक उपयोगी -प्रो. के. एन. सिंह यादव

पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ०टी०एन०का सेवा निवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान

प्रयाणीयात् । उत्तर प्रदेश योजनाएँ इनका मुख्य विषयविभागलय में प्रभाविकी विवादाशास्त्र एवं योगाचार्य य ग्रन्थालय के संयुक्त लक्षणात्मक निश्चारों को सरसंबोधी परिसर लोक मानव तिलक काशालय आदि मानवागार में "एक दृष्टिकोण लालडियोग-स्ट्रीटीज़ या सन्टेन्मेन डेवलपमेंट इन में अधिकलम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी विमोदीर्या है । उल्लेख करा है कि पुस्तकालय बेंचों के सार्वभौमिक नियुक्ति तथा बोल कम हो गया है । ऐसे में इन बोलों की विधानों का विवादाशास्त्र यात्रा होती है । इनके क्षेत्रों उल्लेख में दिया जाता है कि योग वर्णव्यक्त के क्षेत्र में

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार एवं विदार्ड समारोह

आईसीटी इन्हीं विषयक राष्ट्रीय सेमिनार पर्यंत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ.टोमोएन् दुबे को विधाई समराज्ञ का आवेदन किया गया। कार्यपादक के मुख्य अधिकारी अवश्यक प्रत्यापन विश्वविद्यालय रोपे के कुलपति प्रौढ़ केंद्रीय कानून संसद बदल दें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मार्गीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुए पुस्तकालयों का विकास परम महत्व के लिए सेवानिवृत्ति विद्युत अवासीन के अनु-प्रबंध का लाभ रोपानी एवं समझ को बढ़ावा दायित है। विश्विष्ट अधिकारी राजव्यवन्वन संलग्न के विषयों कार्यपादकीयताएँ रोकीज़ रखी गयी हैं कि पुस्तकालयों के हेतु उपलब्ध रिपोर्ट मानवसंसाधनों का बहेतर उपयोग होना चाहिए। उन्होंने डॉ.टोमोएन् दुबे के कार्यकारी को संलग्न करके उपरोक्त कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद अपने यान का उत्पादन सम्भव है।



करे। मुख्य बक्ता घूसों रामा ने आगर कह चुनितिवा है। वहाँते हम पाठकों को दुःख और सदाशिवर के अधिकतम के धनी संकलित करता एवं वाञ्छीय लोगों तक विविविष्टात्मक व्यापक उपलब्ध कराता थे, आज बताया। कार्यक्रम के अधिकतम का वर्ग यह व्यक्तियां प्रस्तावात्मक विज्ञान का बर्वा हैं।

के धर्मी संकलित करता एवं बालायि लोगों तक पूजन्याचार प्रस्तुतालय विज्ञान का कार्य है। इसके पूर्व गार्हीकृत सेविकाओं की स्थापिक अधि-प्रेदेश विभाग विज्ञान का कार्य। सेविकाओं में लगामां ५००० एवं अधिक प्रतिभानियों ने योग पहल प्रस्तुत करने के बाद ही २५५ प्रतिभानियों ने दस्त के साथ गो प्रदेशों से भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन जगत् प्रकाशन एवं विद्यालय जागरूकों और अनुशोद्धारों द्वारा ने किया। अतिथियों का स्वागत भी, आर.पी.एस यात्रा एवं राष्ट्रीय भवानीको की बैठक में उत्तम उत्सुकी विस्तृत प्रश्न पूछकर क्रक्कत दाला। सेवाकार्य विज्ञान हो रहे थे और ठीक एन-पूर्व के सम्बन्ध में प्रो. ओम जी दुपुर ने प्रस्तुति पढ़ कर बालवन्न किया। इस अवसर पर मूल्य रूप से डाँ विक्रिंदि, डाँ विक्रिंदि, कुमार, डाँ संजय मराण, प्रमोद कुमार यादव, डाँ योग यादव, डाँ सोनी मिश्रा, डाँ राशि मिश्रा, अबय कुमार यादव, डाँ शोभा यादव, डाँ एवं डाँ भैंश्वरी यादव।

पुस्तकालय एवं सूचना के क्षेत्र में जीवन भर करता रहगाँ मदद- डॉ० टी० एन० दुबे

प्रशांगराज। राज्यीष्ठ टेक्न नूकल विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार एवं विदाइ सम्मान समारोह में डॉ० गी०एन दुबे बेहद भावुक दिखे। उपस्थित अतिथियों के साथ ही वक्ताओं ने भी उनकी कार्यशीली एवं योगदान का प्रशंशा किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के सहयोगक डॉ० गी०एन० दुबे ने अपने सम्मान में आयोजित समारोह में कहा कि उत्तर का यह क्षण हमारे जीवन का एनीलासिक है जब उनके गुरु प्रो० य०सो०शर्मा एवं उनके कई छात ममारोह में उपस्थित हैं उन्होंने शिक्षाको अपनी पूँजी बताते हुए कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जहरत बंदी को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे।



मुविवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्यालया एवं याज्ञवल्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वाकालन में शनिवार को सरस्वती परिसर लोकान्तर विलक्षण शास्त्रार्थ समागम में एकमिनी लाइब्रेरीज रस्टोरेंटीस फॉर स्टर्टन बुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इरा' विश्व एवं राष्ट्रीय सेमिनार एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति प्रसिद्ध साहियकीविद प्रौढ़ोंसे सर केंद्रालय सिंह यादव ने कहा कि मानवीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुये पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अद्वितीय उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पुस्तकालय सेवाओं के सदर्म में नियुक्तियां बहुत

विद्वानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। शोध के क्षेत्र में विकास के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि शोध परिषेक के रूप में सेवानिवृत्ति विद्वान आचार्यों के अनुग्रहों का लाभ शोधार्थी एवं समाज को लाभना चाहिये। प्रौढ़ों यादव ने डॉ० टी०एन० दुबे की पुस्तकालयों के समाने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों की विविधता करते हुए करते हुए दस्तावेजों की समानता चाहिये। इसके लिए दूसरे अच्छी तरीके से एकीकोनीजी विविसित करना होगा कि विद्वानों ने योग्य पुस्तक उपलब्ध कराते हों आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये हैं। ऐसे में तकनीकी सेवाओं की सराहना की और सूचनाओं की विश्वसनीयता तथा प्रमाणिकता बनाये रखने की चुनौतियां हमारे सामने हैं। प्रौढ़ों शर्मा ने डॉ० टी०एन० दुबे को विलक्षण प्रतिनिधि मानवीय संसाधनों का बहेतर उपयोग होना चाहिये। पुस्तकालय समाज की अकादमिक तथा शोध सम्बन्धी अवश्यकताओं को पूरा करने वाले होना चाहिये तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सेवानिवृत्ति के बाद आगे ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। उन्होंने उनकी कार्यपीली की सराहना की।

मुख्य विद्वान आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के अव्यक्त एवं डॉ० टी०एन० दुबे के गुरु प्रौढ़ोंसीरी शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों की विविधता करते हुए करते हुए दस्तावेजों की समानता चाहिये। इसके लिए दूसरे अच्छी तरीके से एकीकोनीजी विविसित करना होगा कि विद्वानों ने योग्य पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे की लोकप्रिय व्यक्तित्व की नूरी-मूरी सराहना की। उन्होंने उनके विदाई समारोह में हुए सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया। कुलपति प्रौढ़ों सिंह ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे ने एकीकोनिक एकटीविटीज के कियान्वयन में सराहनीय योगदान दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे के शोधकार्यों की विभिन्न आयानों की सराहना की। एवं धन्यवाद शोध भें दिया। अतिथियों की तरफ से कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रौढ़ों प्रेस प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सदाकालार्ह व्यक्तित्व के धनी हैं। वर्ती कालेज से आये डॉ० टी०एन० यादव ने डॉ० दुबे को संघर्षील साथी बताया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 150 से अधिक प्रतिनामियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

मुख्य विद्वान आगरा विश्वविद्यालय का कार्य है। उन्होंने एकीकोनिक विभाग के अध्यक्ष एवं डॉ० टी०एन० दुबे के सामान आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों की विविधता करते हुए करते हुए दस्तावेजों की समानता चाहिये। इसके लिए दूसरे अच्छी तरीके से एकीकोनीजी विविसित करना होगा कि विद्वानों ने योग्य पुस्तकालय बन सके। उन्होंने डॉ० टी०एन० दुबे की लोकप्रिय व्यक्तित्व की नूरी-मूरी सराहना की। उन्होंने उनके विदाई समारोह में हुए सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया। कुलपति प्रौढ़ों सिंह ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे ने एकीकोनिक एकटीविटीज के कियान्वयन में सराहनीय योगदान दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में विद्वान शर्मा की सराहना की।

मुख्य विद्वान शर्मा ने कहा कि आज का यह क्षण बहुत ऐतिहासिक है जब उनके गुरु प्रौढ़ोंसीरी शर्मा एवं उनके कई छात्र समारोह में उपस्थित हैं। उन्होंने शिक्षा को अपनी पूर्णी बताते हुये कहा कि जब भी मैंका मिलेगा वह जरूरतमंदों को पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे। डॉ० टी०एन० दुबे के प्रदान कर अभिनन्दन ग्रन्थ भें दिया। अभिनन्दन ग्रन्थ के मुख्य सम्पादक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे के शोधकार्यों की विभिन्न आयानों की सराहना की। एवं धन्यवाद भें दिया। अतिथियों की तरफ से कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रौढ़ों प्रेस प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सदाकालार्ह व्यक्तित्व के धनी हैं। वर्ती कालेज से आये डॉ० टी०एन० यादव ने डॉ० दुबे को संघर्षील साथी बताया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 150 से अधिक प्रतिनामियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के अन्य तकनीकी सत्रों में डॉ० टी०एन० सिंह, प्रौढ़ों एकांकी सिंह, डॉ० निरेनन राम राम राम मीर्झ, श्री राजेश कुमार गोतम, डॉ० सार्वी मिश्रा आदि ने विद्वान शर्मा के निम्न शिक्षण संस्थाओं से संकेतों लोग उपस्थित हैं।